INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त–134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-249 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, सोमवार, 2 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बजट की चिंता के बीच हल्के गहनों से मनेगी धनतेरस

चांदी के सिक्कों की भी रहेगी मांग

सोने की कीमतों में गिरावट से ग्राहकों को राहत

आभूषण खरीदने की तैयारी में जुटे लोग



यूनिक समय, मथुरा। धनतेरस पर इस बार सराफा बाजार में हल्के वजन के सोने के आभूषणों की चमक बढ़ने की उम्मीद है। सोने की कीमतों में पिछले महीने के मुकाबले आई गिरावट से ग्राहकों को कुछ राहत मिली है, लेकिन ऊंचे भाव के चलते लोग अब भी अपने बजट को ध्यान में रखकर खरीदारी की योजना बना रहे हैं। ऐसे में भारी आभूषणों के बजाय कम वजन की चेन, अंगूठी, कानों के टॉप्स, पेंडेंट और हल्के डिजाइन के जेवर ग्राहकों की पहली पसंद बन सकते हैं। दूसरी ओर चांदी के सिक्कों, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों और पूजन सामग्री की भी अच्छी मांग रहने की संभावना है।

सोमवार दो नवंबर के बाजार भाव के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 24 कैरेट सोने की औसत कीमत करीब 1,40,340 रुपये प्रति दस ग्राम और 22 कैरेट की कीमत करीब 1,27,450 रुपये प्रति दस ग्राम रही। वहीं चांदी का भाव विभिन्न बाजारों में करीब 1.85 लाख से दो लाख रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास दर्ज किया गया। भाव में शहर और कारोबारी प्रतिष्ठान के अनुसार अंतर हो सकता है। जीएसटी और आभूषणों की बनवाई अलग से देय होगी।

अक्टूबर की शुरुआत में 24 कैरेट सोने का भाव करीब 1,49,240 रुपये प्रति दस ग्राम था। मौजूदा उत्तर प्रदेश औसत से तुलना करें तो इसमें करीब 10 हजार रुपये की कमी आई है। इस गिरावट ने त्योहार पर खरीदारी की उम्मीदों को बल दिया है। हालांकि सोने के भाव अभी भी ऊंचे स्तर पर होने के कारण ग्राहक वजन और डिजाइन के बीच संतुलन बनाने में जुटे हैं। धनतेरस को लेकर सराफा कारोबारियों ने दुकानों पर नए डिजाइन के आभूषणों का संग्रह तैयार किया है।

कारोबियों की बात



राधारानी ज्वैलर्स के मालिक अर्पित अग्रवाल ने बताया कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण ग्राहकों की पसंद में बदलाव आया है। लोग कम वजन में आकर्षक डिजाइन वाले आभूषण खरीदना पसंद कर रहे हैं। धनतेरस पर चांदी के सिक्कों की मांग भी बढ़ने की उम्मीद है।



आरके ज्वैलर्स के स्वामी तेजस्व अग्रवाल ने बताया कि धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। इसी परंपरा के चलते हर वर्ग के ग्राहक अपनी क्षमता के अनुसार खरीदारी करते हैं। इस बार हल्के आभूषणों के साथ चांदी के उपहार की बिक्री अच्छी रहने की उम्मीद है।

यूनिक समय में खबर छपी तो जागे जिम्मेदार, शुरू हुई कार्रवाई

बेसिक के 142 शिक्षकों की तैनाती के आदेश निरस्त

प्रभारी प्रधानाध्यापक बनाने के नाम पर दूसरे ब्लॉक में भेजने का मामला गरमाया

शिकायतों के बाद बीएसए ने पलटा फैसला


प्रभारी प्रधानाध्यापक बनाने के नाम पर तैनाती का खेल

142 शिक्षकों की सूची पर सवाल

142 सहायक अध्यापकों को संशोधित आदेश जारी कर दूसरे ब्लॉक में भेजा

चहेतों को मनचाहे विद्यालयों में जिम्मेदारी देने के आरोप, सीडीओ के आधार पर तैनाती के दावों के बीच कुछ शिक्षकों ने पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। राजनीतिक दलों और शिक्षक संगठनों से जुड़े शिक्षकों पर भी

पहले शिक्षक को हटाया, फिर खाली दिखाया विद्यालय

तैनाती प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए बेसिक के शिक्षकों ने बताया कि रामप्रकाश को पहले उच्च प्राथमिक विद्यालय जिखनगांव ब्लॉक मथुरा से हटाकर उच्च प्राथमिक विद्यालय भूचन गोवर्धन भेजा गया। इसी तरह अशोक कुमार को जिखनगांव से नगला पहलवारिया में प्रभारी बनाया गया। इसके बाद जिखनगांव का पद खाली दिखाकर शिवकुमार को उच्च प्राथमिक विद्यालय नंद नगरिया मांट से वहां प्रभारी बनाकर भेज दिया गया। आरोप है कि जिखनगांव में पहले से दो शिक्षक प्रभारी बनने के लिए सहमत थे, ऐसे में उन्हें प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। इसी तरह उत्तम सारस्वत को नौहझील से बलदेव के हबीबपुर भेजे जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं। वह जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के

यूनिक समय में 31 अक्टूबर को प्रमुखता से प्रकाशित समाचार।

यूनिक समय, मथुरा। प्रभारी प्रधानाध्यापक की तैनाती के नाम पर 142 सहायक अध्यापकों को मनचाहे विद्यालयों में भेजने का मामला उजागर होने के बाद बेसिक शिक्षा विभाग में खलबली मच गई है। यूनिक समय में शनिवार को प्रकाशित खबर के बाद विभाग ने अपने ही फैसले पर यू–टर्न ले लिया। बीएसए ने 142 शिक्षकों की तैनाती से जुड़े दोनों आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए हैं। सभी शिक्षकों को अपने मूल विद्यालयों में लौटकर शिक्षण कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

गौरतलब है कि बेसिक शिक्षा विभाग ने ज्येष्ठता सूची और शिक्षकों की लिखित सहमति का हवाला देते हुए 142 सहायक अध्यापकों को प्रभारी प्रधानाध्यापक की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके लिए 26 सितंबर और 22 अक्टूबर को आदेश जारी किए गए थे। लेकिन इन आदेशों के सामने आते ही तैनाती प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे। शिक्षकों ने आरोप लगाया कि प्रभारी प्रधानाध्यापक बनाने की आड़ में एक ब्लॉक से दूसरे ब्लॉक में शिक्षकों को भेजकर मनचाहे विद्यालयों में जिम्मेदारी दी गई। जिखनगांव सहित कई विद्यालयों में पहले से कार्यरत शिक्षकों को हटाकर पद रिक्त दिखाने और चहेतों को लाभ पहुंचाने के आरोप भी लगे। शिक्षक संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों के रिश्तेदारों को तवज्जो दिए जाने पर भी आपत्तियां उठाई गईं। वहीं, संघ से जुड़े एक शिक्षक को मांट से गोवर्धन भेजा गया।

शनिवार को यूनिक समय ने 'प्रभारी प्रधानाध्यापक बनाने के नाम पर तैनाती का खेल, नियमों पर उठे सवाल' शीर्षक से खबर प्रकाशित कर पूरे मामले को प्रमुखता से उठाया था। खबर में शिक्षकों की आपत्तियों, दूसरे ब्लॉक में भेजने और कथित पक्षपात के मामलों को सामने रखा गया था। सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने भी मामले को संज्ञान में लेकर जांच कराने और अनियमितता मिलने पर कार्रवाई का भरोसा दिया था।

सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता के अनुसार, शासनादेशों और बेसिक शिक्षा परिषद के निर्देशों के क्रम में बीएसए ने तैनाती के आदेश जारी किए थे। शिकायतें मिलने के बाद इन आदेशों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। संबंधित सभी शिक्षकों को पूर्व की भांति अपने मूल विद्यालयों में रहकर शिक्षण कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

पीईटी परीक्षा से रोडवेज की झोली में आए करीब 20 लाख रुपये

मथुरा डिपो को मिला अतिरिक्त राजस्व

यूनिक समय, मथुरा। युवाओं के लिए प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) नौकरी की उम्मीद लेकर आई तो रोडवेज के लिए कमाई का बड़ा अवसर बन गई। जिले में 25, 30 और एक नवंबर को तीन चरणों में आयोजित परीक्षा के दौरान हजारों अभ्यर्थियों ने दूसरे जिलों से मथुरा का रुख किया। वहीं स्थानीय परीक्षार्थी भी परीक्षा देने के लिए दूसरे जिलों में पहुंचे। अभ्यर्थियों की इस आवाजाही से रोडवेज बसों में जबरदस्त भीड़ रही और तीन दिन में मथुरा डिपो की झोली में करीब 20 लाख रुपये का अतिरिक्त राजस्व आ गया।

परीक्षा के तीनों दिनों में सुबह से ही मथुरा बस स्टैंड पर अभ्यर्थियों की भीड़ जुटने लगी थी। कोई परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के लिए बस का इंतजार करता नजर आया तो कोई परीक्षा समाप्त होते ही घर लौटने की जल्दी में बसों की तलाश करता दिखाई दिया। दूसरे जिलों से आने वाले परीक्षार्थियों के साथ स्थानीय युवाओं की आवाजाही ने बसों में यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों के मुकाबले काफी बढ़ा दी। अभ्यर्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रोडवेज ने भी अतिरिक्त बसों का संचालन किया। जिन मार्गों पर यात्रियों का दबाव अधिक रहा, वहां जरूरत के अनुसार बसें उपलब्ध कराई गईं। मथुरा से आगरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, फिरोजाबाद, कानपुर, झांसी और मैनपुरी सहित विभिन्न जिलों के लिए परीक्षार्थियों ने रोडवेज बसों से सफर किया। परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने और वापस लौटने की जल्दबाजी के बीच बस अड्डों पर दिनभर चहल-पहल बनी रही। रोडवेज अधिकारियों के अनुसार, पीईटी परीक्षा के तीन दिनों में यात्रियों की संख्या में हुई बढ़ोतरी से मथुरा डिपो को करीब 20 लाख रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ। इस तरह परीक्षा ने जहां हजारों युवाओं को उनके गंतव्य तक पहुंचाने में रोडवेज की भूमिका बढ़ाई, वहीं परिवहन निगम के लिए भी अच्छी कमाई का जरिया साबित हुई।

यातायात माह का आगाज, जागरूकता वाहन को दिखाई हरी झंडी



यातायात जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते दीनदयाल धाम के निदेशक सोनपाल, एसपी सिटी राजीव कुमार, एसपी ट्रैफिक राजेश तिवारी और अन्य अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए सोमवार को धौलीप्याऊ स्थित रेलवे ग्राउंड (ब्रज रज उत्सव स्थल) पर यातायात माह नवंबर का शुभारंभ किया गया। दीनदयाल धाम निदेशक सोनपाल, एसपी सिटी राजीव कुमार और एसपी ट्रैफिक राजेश तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता अभियान वाहन को रवाना किया। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। थोड़ी सी लापरवाही जानलेवा हादसे का कारण बन सकती है। दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट और कार चालकों से सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने की अपील की गई। साथ ही निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, मोबाइल का प्रयोग न करने और नशे में ड्राइविंग से बचने का संदेश दिया गया।

हेलमेट, सीट बेल्ट और निर्धारित गति से वाहन चलाने की अपील

एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में पूरे नवंबर माह जागरूकता अभियान चलेगा। इसके तहत विद्यार्थियों, वाहन चालकों और आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी जाएगी। इस दौरान पार्षदों, समाजसेवियों और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के महानगर अध्यक्ष अजय चतुर्वेदी ने लोगों और व्यापारियों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। कार्यक्रम में देवेंद्र मित्तल, ताराचंद अग्रवाल, महेश अग्रवाल हींग वाले और महानगर मीडिया प्रभारी-प्रवक्ता अखिलेश मिश्रा पिंटू मौजूद रहे।



बर्तनों की खनक पर महंगाई का साया,तांबा सबसे महंगा



धनतेरस पर ग्राहकों को लुभाने के लिए सजी बर्तन की दुकान।

यूनिक समय, मथुरा। धनतेरस पर बर्तनों की खरीदारी की परंपरा इस बार महंगाई की कसौटी पर है। बाजार में स्टील, पीतल और तांबे समेत विभिन्न धातुओं से बने बर्तनों के दाम बढ़ने से ग्राहकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। सबसे ज्यादा महंगाई की मार तांबे के बर्तनों पर पड़ी है। बीते आठ माह में तांबे के भाव में करीब 800 रुपये प्रति किलो तक का उछाल आया है। इसके चलते तांबे के बर्तन खरीदना आम ग्राहकों के लिए पहले के मुकाबले काफी महंगा हो गया है।

बीते माह में तांबे के दामों में 800 रुपये किलो तक का उछाल पीतल और स्टील के बर्तन भी हुए महंगे

बर्तन कारोबारियों के मुताबिक, बाजार में पुराने तांबे की कीमत करीब 1400 रुपये प्रति किलो चल रही है, जबकि नए तांबे के बर्तन 2000 रुपये प्रति किलो तक बिक रहे हैं। तांबे के दामों में आई तेजी का असर पूजा-पाठ में इस्तेमाल होने वाले लोटे, थाली, गिलास, कलश और अन्य घरेलू बर्तनों पर भी दिखाई दे रहा है। वहीं पीतल और स्टील के बर्तनों की कीमतों में भी पहले के मुकाबले बढ़ोतरी हुई है। हालांकि इन धातुओं के बर्तनों की मांग बनी हुई है, लेकिन ग्राहक खरीदारी से पहले कीमतों की तुलना जरूर कर रहे हैं।

धनतेरस को देखते हुए शहर के बर्तन कारोबारियों ने दुकानों को सजाने के साथ ही नए-नए डिजाइनों के बर्तनों का स्टॉक मंगाया है। बाजार में आकर्षक डिजाइन वाली थालियां, कटोरियां, गिलास, डिनर सेट, पूजा के बर्तन और रसोई में इस्तेमाल होने वाले बर्तनों की विविध रेंज है। ग्राहकों को लुभाने के लिए पारंपरिक बर्तनों के साथ आधुनिक डिजाइन के बर्तन भी उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं, शहर के सौंख रोड स्थित थोक बर्तन विक्रेता उमेश खंडेलवाल ने बताया कि अब तक बाजार में सुस्ती है।

कारोबारियों की बात



कृष्णा नगर के बर्तन विक्रेता दीपक के अनुसार, महंगाई के बावजूद धनतेरस पर बाजार में रौनक रहेगी। शुभ मुहूर्त में बर्तन खरीदने की परंपरा के चलते ग्राहक अपनी सामर्थ्य के अनुसार खरीदारी जरूर करेंगे।



फरह कस्बा के बर्तन विक्रेता दाऊदयाल अग्रवाल के अनुसार, इस बार तांबा दो हजार रुपये किलो, पीतल एक हजार रुपये से 12 सौ और स्टील 180 रुपये से पांच सौ रुपये किलो में हैं। इस बार महंगाई है।



परीक्षा ड्यूटी को शिक्षकों का ब्योरा 15 नवंबर तक करें अपलोड

यूनिक समय, मथुरा। माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का विवरण यूपी बोर्ड के पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य कर दिया गया है। वर्ष 2027 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में परीक्षकों की ड्यूटी लगाने के लिए कंप्यूटरीकृत पहचानपत्र बनाए जाएंगे। इसके लिए सभी प्रधानाचार्यों को 15 नवंबर तक बोर्ड की वेबसाइट पर विवरण अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने प्रधानाचार्यों को अपलोड किए जाने वाले विवरणों की गहनता से जांच करने को कहा है। पोर्टल पर गलत जानकारी अपलोड होने पर संबंधित प्रधानाचार्य जिम्मेदार होंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक राधवेंद्र सिंह ने बताया कि सभी प्रधानाचार्यों से निर्धारित समयसीमा में शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का सही विवरण पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया है।

त्योहारों पर जंक्शन की सुरक्षा कड़ी, तीनों प्रवेश द्वारों पर चेकिंग



यूनिक समय, मथुरा। त्योहारों पर यात्रियों और श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्लेटफार्मों से लेकर सर्कुलेटिंग एरिया तक अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने स्टेशन परिसर में अतिरिक्त जवान तैनात किए हैं।

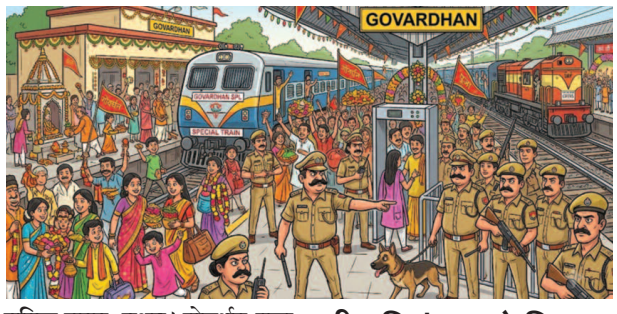
भाई दूज पर यमुना स्नान के लिए आसपास के जनपदों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मथुरा पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए आरपीएफ और जीआरपी ने सुरक्षा का घेरा मजबूत किया है। आरपीएफ थाना प्रभारी निरीक्षक यूके कौशिक और जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि स्टेशन के तीनों प्रवेश द्वारों पर चेकिंग प्वाइंट बनाए गए हैं। जांच के बाद ही वाहनों को परिसर में प्रवेश दिया जा रहा है।

भाई दूज पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए आरपीएफ-जीआरपी अलर्ट, अतिरिक्त जवान तैनात

प्लेटफार्मों पर लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। लाउडहेलर के माध्यम से यात्रियों को सतर्क रहने और भीड़ में सावधानी बरतने की अपील की जा रही है, ताकि किसी तरह की आपराधिक घटना न हो। उधर, त्योहारों पर यात्रियों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर रेलवे ने कई ट्रेनों का विस्तार किया है।

छठ पूजा के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। यात्रियों को राहत देने के लिए विभिन्न ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी लगाए जा रहे हैं।

गोवर्धन पूजा पर गोवर्धन रेलवे स्टेशन पर रहेगा कड़ा पहरा



यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पूजा के मद्देनजर गोवर्धन रेलवे स्टेशन पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा और यात्री सुविधाओं को लेकर व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। पर्व के दौरान स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ को व्यवस्थित रखने, भगदड़ जैसी स्थिति से बचने और रेल संचालन को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। इसके तहत स्टेशन परिसर में 3690 वर्ग मीटर का विशाल होल्डिंग एरिया बनाया जाएगा।

गोवर्धन पूजा पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गिरिराज महाराज की परिक्रमा और दर्शन के लिए गोवर्धन पहुंचते हैं। इसे देखते हुए रेलवे प्रशासन इस बार पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में जुटा है। स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए रेलवे सुरक्षा विशेष बल (आरपीएसएफ) के अतिरिक्त जवानों की तैनाती की जाएगी। ये जवान स्टेशन परिसर, प्रवेश और निकास द्वार, प्लेटफॉर्म, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर निगरानी रखेंगे। सुरक्षा बलों की मौजूदगी से यात्रियों की आवाजाही को नियंत्रित करने के साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी।

वहीं, यात्रियों की सुविधा और टिकट व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए वाणिज्य विभाग की ओर से अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ की तैनाती भी की जाएगी। इससे टिकट जांच के दौरान होने वाली अव्यवस्था और अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

भीड़ नियंत्रण के लिए स्टेशन परिसर में होल्डिंग एरिया बनाया जाएगा

आरपीएसएफ के अतिरिक्त जवानों किया जाएगा तैनात

चलाई जा सकती है अतिरिक्त ट्रेन

रेलवे प्रशासन की ओर से यात्रियों की बढ़ती संख्या और ट्रेनों में संभावित अतिरिक्त दबाव को देखते हुए विशेष ट्रेन चलाने का विकल्प भी खुला रखा गया है। यदि यात्रियों की संख्या सामान्य ट्रेनों की क्षमता से अधिक होती है तो स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जाएगा।

> गोवर्धन पूजा के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। गोवर्धन रेलवे स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण के लिए होल्डिंग एरिया बनाया जाएगा। आरपीएफ और जीआरपी के अतिरिक्त जवानों की तैनाती की जाएगी। साथ ही अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ को भी लगाया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर स्पेशल ट्रेन का संचालन भी किया जाएगा।
>
> **- सुनील कुमार शर्मा, स्टेशन निदेशक।**

रंगों के दाम दोगुने, नौ हाथों से संवर रहीं लक्ष्मी-गणेश प्रतिमाएं

रंगों की कीमत दोगुनी होने से बढ़ी लागत परिवार के नौ सदस्य संभाल रहे पूरा कारोबार

यूनिक समय, वृंदावन। दीपावली का पर्व नजदीक आते ही बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। घरों और प्रतिष्ठानों में पूजन की तैयारियों के बीच भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की आकर्षक मूर्तियां तैयार करने का काम भी तेज हो गया है। कृष्णा नगर के रामनगर स्थित पप्पू खिलौने वाले के यहां इन दिनों छोटी-बड़ी मूर्तियों को अंतिम रूप देने में पूरा परिवार जुटा हुआ है। रंग-बिरंगी और विभिन्न आकार की मूर्तियां दीपावली पर ग्राहकों के लिए सजकर तैयार हो रही हैं।



दीपावली के लिए तैयार लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों में रंग भरते कारीगर।

दुकान संचालक पप्पू ने बताया कि उनके यहां पीओपी से मूर्तियां तैयार की जाती हैं। इन पर रंगाई के लिए आगरा और कानपुर से रंग मंगाए जाते हैं। इस बार रंगों की कीमत पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हो गई है। इससे मूर्तियों के निर्माण की लागत बढ़ गई है। मूर्तियां बनाने से लेकर उनकी रंगाई और सजावट तक का पूरा काम घर पर ही किया जाता है। इसमें परिवार के छह पुरुष और तीन महिलाएं जुटी हैं। बाहर से कारीगर बुलाने पर खर्च बढ़ता है, इसलिए परिवार के सदस्य ही पूरी जिम्मेदारी संभालते हैं।

उन्होंने बताया कि उनके यहां डेढ़ इंच की छोटी मूर्तियां 60 रुपये दर्जन से उपलब्ध हैं, जबकि दीपावली पूजन के लिए ढाई फुट तक की गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियां तैयार की जा रही हैं। इनकी कीमत 500 रुपये से शुरू होती है। मूर्तियों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली चिकनी मिट्टी देवीपुरा क्षेत्र की पोखर से मंगाई जाती है, जिस पर 1500 से 2000 रुपये तक खर्च आता है।



पप्पू



बंटी

पप्पू के पुत्र बंटी वर्मा भी इस पारिवारिक कारोबार में हाथ बंटाते हैं। इसके अलावा कुछ विशेष डिजाइन की मूर्तियां कलकत्ता से भी मंगाई जाती हैं। दीपावली को देखते हुए कारीगर

पुलिस ने आठ साल के मासूम को परिवार से मिलाया

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णानगर की सड़कों पर रात के अंधेरे में घर से बिछड़े आठ वर्षीय मासूम को पुलिस ने सकुशल बरामद कर उसके परिवार से मिला दिया। बच्चे को सुरक्षित पाकर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने पुलिसकर्मियों की तत्परता और मानवीय पहल की सराहना की।

जानकारी के अनुसार, बीती रात कृष्णानगर क्षेत्र में आठ वर्षीय बालक अकेला बदहवास हालत में रोता हुआ घूम रहा था। राहगीरों ने उसे देखा तो चुप कराने और परिवार के बारे में पूछने का प्रयास किया, लेकिन घबराया बच्चा कुछ बता नहीं पा रहा था। लोगों ने इसकी सूचना कृष्णानगर पुलिस चौकी को दी। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी संजीव कुमार तोमर पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे।

कृष्णानगर की सड़कों पर रोता-बिलखता मिला बच्चा

उन्होंने पहले बच्चे को प्यार से समझाकर शांत कराया और चौकी ले आए।

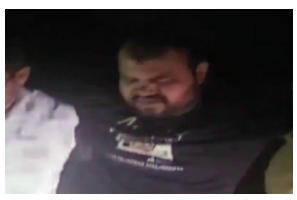
वहां उसे चॉकलेट और बिस्कुट खिलाए गए, ताकि वह सहज होकर बातचीत कर सके। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उससे पिता और घर के बारे में जानकारी लेने का प्रयास किया, लेकिन बच्चा सही पता नहीं बता सका।

ऐसे में पुलिस ने हार नहीं मानी और आसपास के इलाकों में बच्चे के बारे में जानकारी जुटानी शुरू कर दी। करीब एक घंटे से अधिक की मशक्कत के बाद पुलिस को उसके परिवार का पता चल गया। उधर, परिजन भी बच्चे की तलाश में परेशान होकर इधर-उधर भटक रहे थे।

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड का मुख्य आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

यूनिक समय, मथुरा। महोली गांव में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या करने के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी की बीती रात हाईवे पुलिस से मुठभेड़ हो गई। पालीखेड़ा-महोली रोड पर हुई मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी फायरिंग के दौरान आरोपी विकास उर्फ विशाल के पैर में गोली लग गई। घायल अवस्था में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से देशी तमंचा और कारतूस बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, महोली गांव में प्रॉपर्टी डीलर रोहतान उर्फ रोहतास से शराब के लिए रुपये मांगने को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि विकास



मुठभेड़ में घायल आरोपित को ले जाते पुलिसकर्मी।

उर्फ विशाल ने अपने साथियों के साथ मिलकर रोहतास के साथ मारपीट की और उसे गोली मार दी थी। गंभीर घायल रोहतास की मौत हो गई थी। इस मामले में थाना हाईवे में दस लोगों के खिलाफ हत्या समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

पालीखेड़ा-महोली रोड पर हुई मुठभेड़

पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार, तमंचा-कारतूस बरामद

पुलिस को बीती रात सूचना मिली कि हत्याकांड का मुख्य आरोपी विकास उर्फ विशाल पालीखेड़ा-महोली रोड पर मौजूद है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे रोकने का प्रयास किया। पुलिस को सामने देखकर आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुए।

पुलिस के मुताबिक, इस हत्याकांड में अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा आरोपियों को संरक्षण देने के आरोप में एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।



अहोई अष्टमी पर राधाकुंड में उमड़ा आस्था का सैलाब



अहोई अष्टमी की रात को राधाकुंड में स्नान करते श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। अहोई अष्टमी पर विश्वप्रसिद्ध राधाकुंड में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। आधी रात से ही श्रद्धालुओं, महिलाओं और नवविवाहित जोड़ों ने पुण्य स्नान के लिए राधाकुंड में डुबकी लगाई। श्रद्धा, भक्ति और परंपरा के इस संगम में देशभर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने आस्था की डोर थामे राधाकुंड की परिक्रमा और स्नान किया। प्रशासन के अनुसार करीब साढ़े पांच लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र कुंड में स्नान किया।

पर्व पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी व्यवस्थाओं की निगरानी में जुटे रहे। डीआइजी शैलेश कुमार पांडेय, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने राधाकुंड और आसपास के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम से भीड़ की स्थिति, प्रवेश और निकास मार्गों, होल्डिंग एरिया, बैरियर और बैरिकेडिंग की व्यवस्था का जायजा लिया। घाटों पर गोताखोरों और जल पुलिस की तैनाती के साथ सुरक्षा इंतजाम भी परखे।

पांच लाख से अधिक ने लगाई डुबकी

नवविवाहित जोड़ों और महिलाओं ने किया स्नान, डीआईजी-डीएम और एसएसपी ने परखी व्यवस्थाएं

सदर तहसील में अग्निशमन यंत्र बने मुसीबत, लेखपाल के सिर में लगी चोट



सदर तहसील में लगा अग्निशमन यंत्र, जिसकी वजह से लेखपाल घायल हुआ।

यूनानक समय, मथुरा। आग स बचाव के लिए लगाए गए अग्निशमन यंत्र ही अब सदर तहसील में लोगों के लिए मुसीबत बन रहे हैं। तहसील परिसर में लगे अग्निशमन यंत्रों की चपेट में आने से एक लेखपाल नरेंद्र सिंह के सिर में चोट लग गई। इस घटना ने तहसील परिसर में सुरक्षा इंतजामों और व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी है। सवाल यह है कि जब सरकारी कार्यालय में तैनात कर्मचारी ही सुरक्षित नहीं हैं तो यहां रोजाना अपनी फरियाद

रोजाना उमड़ती है फरियादियों की भीड़ निरीक्षण के बाद भी नहीं सुधरे हालात

लेकर पहुंचने वाले आम लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा। सदर तहसील में प्रतिदिन बड़ी संख्या में फरियादी, किसान और अन्य लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में परिसर में रखे अग्निशमन उपकरणों का व्यवस्थित होना बेहद जरूरी है। लेकिन यहां उपकरणों की उचित व्यवस्था और रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि सदर तहसील में जिले के आला अधिकारियों का लगातार आना-जाना लगा रहता है। जिलाधिकारी भी समय-समय पर तहसील का निरीक्षण करते हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर निरीक्षण के दौरान इन अव्यवस्थाओं पर जिम्मेदार अधिकारियों की नजर क्यों नहीं पड़ती।

दीपावली में छह दिन शेष, अब तक पटाखों की दुकानों को हरी झंडी नहीं

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली सिर पर है, बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है, लेकिन पटाखों का बाजार अब भी प्रशासनिक अनुमति के इंतजार में है। त्योहार में महज छह दिन शेष हैं और आतिशबाजी की दुकानें लगाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इससे दुकानदारों की बेचैनी बढ़ रही है। वहीं, पटाखे खरीदने की तैयारी कर रहे लोगों को भी दुकानों के खुलने का इंतजार है।

पटाखा कारोबारियों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि दुकानें कहां और कब लगेंगी। समय पर अनुमति नहीं मिलने से कारोबार की तैयारियां भी प्रभावित हो रही हैं। हालांकि, अग्निशमन विभाग ने दुकानों के लिए स्थान चिन्हित

फायर ब्रिगेड ने चिन्हित किए स्थान, पुलिस की औपचारिकताएं पूरी होने का इंतजार

कर लिए हैं, लेकिन स्थानीय पुलिस की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही अनुमति की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

सीएफओ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि फायर ब्रिगेड की ओर से आतिशबाजी की दुकानें लगाने के लिए स्थान चिन्हित किए जा चुके हैं। अब स्थानीय पुलिस स्तर से संबंधित औपचारिकताएं पूरी होनी हैं। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दहेज के लिए विवाहिता को घर से निकाला

यूनिक समय, चौमुहां। कार और पांच लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर ससुरालीजनों ने विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता की तहरीर पर थाना जैंत पुलिस ने पति सहित सात लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया है।

पीड़िता के अनुसार, उसकी शादी ऋषभ निवासी ब्रह्मपुरी कॉलोनी, गिरधरपुर रोड के साथ हुई थी। पिता ने शादी में करीब 15 लाख रुपये खर्च कर सोने-चांदी के आभूषण, गृहस्थी का सामान और मोटरसाइकिल दी थी। आरोप है कि बेटे के जन्म के कुछ समय बाद ही पति और ससुरालीजन अतिरिक्त दहेज के लिए पांच लाख रुपये और कार की मांग करने लगे। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट और उत्पीड़न किया जाने लगा। आरोप है कि 22 अप्रैल को मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया गया।

दूध के रुपये मांगने पर मामा-भांजे पर हमला

यूनिक समय, चौमुहां। थाना जैंत क्षेत्र की अमर कॉलोनी में दूध के रुपये मांगने गए मामा-भांजे पर तीन लोगों ने कुल्हाड़ी और डंडों से हमला कर दिया। हमले में दोनों घायल हो गए। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। गोकुल रेस्टोरेंट के समीप अमर कॉलोनी निवासी किशनकांत ने पुलिस को बताया कि 31 अक्टूबर की रात करीब साढ़े नौ बजे वह अपने भांजे सागर के साथ दूध के रुपये लेने गया था। वहां मौजूद वरुण, अरुण और उनके पिता जयप्रकाश ने दोनों पर कुल्हाड़ी और डंडों से हमला कर दिया। इससे दोनों घायल हो गए।

गाड़ी से दो गाय और बछड़ा बरामद, एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने मनोहरपुरा पानी की टंकी के ग्राउंड के समीप से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर गाड़ी से दो गाय और एक बछड़ा बरामद किया है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से अवैध चाकू भी मिला। पुलिस के अनुसार, सूचना मिलने पर टीम ने मनोहरपुरा टंकी के ग्राउंड के पास छापेमारी की। इस दौरान गाड़ी में दो गाय और एक बछड़ा ले जा रहे महबूब निवासी खंदौली, पानी की टंकी के पास, थाना खंदौली आगरा को पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम की धारा 3/5ए/8 और आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।



बिना हेलमेट और तीन सवारी फर्राटा भरते दिखे बाइक सवार

चार पहिया वाहन चालक भी सीट बेल्ट से बेपरवाह



यातायात माह के पहले दिन सोमवार को वाहन चालक जागरूक नहीं दिखे। इस दौरान पुलिसकर्मी और अन्य बाइक सवार बिना हेलमेट और तीन सवारी बैठाकर फर्राटा भरते रहे।

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में सोमवार से यातायात माह की शुरुआत हो गई, लेकिन शहर की सड़कों पर नजारा पुराने ढर्रे पर ही नजर आया। यातायात पुलिस नवंबर भर लोगों को नियमों के प्रति जागरूक करने और सुरक्षित सफर का पाठ पढ़ाने का अभियान चलाएगी, लेकिन सवाल यह है कि नियमों को खुलेआम तोड़ने वालों पर सख्ती कब होगी।

शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर आज भी यातायात नियमों की अनदेखी आम है। दोपहिया वाहन चालक बिना हेलमेट के फर्राटा भरते दिखाई देते हैं। कई बाइक पर तीन–तीन सवारियां बैठाकर चलते हैं तो कुछ युवा हवा में जुल्फें लहराते हुए बिना हेलमेट सड़क पर दौड़ते नजर आते हैं। वहीं चार पहिया वाहन चालकों में भी सीट बेल्ट लगाने को लेकर लापरवाही दिखाई देती है।

यातायात पुलिस की ओर से हर वर्ष नवंबर में यातायात माह मनाकर जागरूकता अभियान चलाया जाता है। स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थियों को नियमों की जानकारी देने के साथ वाहन चालकों को हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात संकेतों का पालन करने की सीख दी जाती है। इसके बावजूद सड़कों पर नियम तोड़ने वालों की संख्या कम होती नजर नहीं आ रही। यातायात माह का उद्देश्य केवल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि सड़क पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना भी है। ऐसे में जरूरी है कि पुलिस जागरूकता के साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमित चालान और प्रभावी कार्रवाई भी करे।

यातायात माह के पहले दिन ही एसपी सिटी फंसे जाम में

कलेक्ट्रेट के गेट एक के सामने काफी देर तक फंसी रही गाड़ी

दर्जनों वाहन चालक होते रहे परेशान, फुटपाथ पर कब्जा बना समस्या



सोमवार दोपहर कलेक्ट्रेट के गेट एक के सामने लगे जाम में फंसे एसपी सिटी।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार से जनपद में यातायात माह का शुभारंभ हुआ, पहले दिन ही एसपी सिटी जाम में फंस गए। कलेक्ट्रेट के गेट एक के सामने सड़क पर कई वाहनों के फंस जाने से एसपी सिटी जाम खुलने के इंतजार में रूके रहे। पुलिसकर्मियों ने काफी प्रयास के बाद जाम खुलवाया, इसके बाद दर्जनों वाहन और एसपी सिटी का वाहन निकल सका।

कलेक्ट्रेट और सिविल न्यायालय खुलने के दौरान आने वाले लोगों के वाहन फुटपाथ पर खड़े कराए जाते हैं, वाकायदा इनसे शुल्क वसूलते हुए पर्ची दी जाती है। ऐसे वाहन डीएम कार्यालय के सामने वाली सड़क से लेकर सीएमओ कार्यालय के ओर बने फुटपाथ पर खड़े रहते हैं, जो कुछ फुटपाथ बचता है, उसे दो जून की रोटी के लिए ठेल लगाने वाले कब्जा लेते हैं। ऐसे में केवल लोगों और चुनिंदा वाहनों के चलने के लिए आधी- अधूरी सड़क रह जाती हैं, जिस पर भी चुनिंदा वाहनों का कब्जा बना रहता है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश हैं कि फुटपाथ लोगों के लिए बचना चाहिए, लेकिन इस मार्ग पर कार्यालय दिवसों में ऐसा नजर नहीं आता। इसी समस्या की वजह से आए दिन इस मार्ग पर जाम लगता रहता है। दोपहर को जाम इसी वजह से लगा। इसी दौरान कार्यालय से निकले एसपी सिटी भी जाम में फंस गए। आसपास मौजूद पुलिसकर्मियों और हमराहों ने मशक्कत करके जाम को खुलवाया, इसके बाद एसपी सिटी और अन्य लोगों के वाहन निकल सके।

युवक–युवती परिचय सम्मेलन में 20 परिवारों ने कराया पंजीकरण

सही उम्र में बच्चों के विवाह पर दिया जोर

सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश



दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय श्री ब्रजस्थ मैथिल ब्राह्मण महासम्मेलन की शाखा सभा मथुरा के तत्वावधान में रविवार को युवक-युवती परिचय सम्मेलन हुआ। शुभारंभ मुख्य अतिथि-पदाधिकारियों ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित हीरालाल शर्मा ने की। कार्यक्रम में 20 युवक-युवतियों के अभिभावकों ने अपने बच्चों के विवाह संबंधों के लिए परिचय कराया। कार्यक्रम में अतिथियों और आगंतुकों का पटका पहनाकर-स्मृति चिह्न भेंटकर स्वागत किया गया। शाखा सभा की कार्यकारी अध्यक्ष सुशीला पाठक ने सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। फरीदाबाद से आए मुख्य अतिथि पंडित बृजमोहन शर्मा ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि समाज में ऐसे सम्मेलन नियमित रूप से होने चाहिए। विवाह में देरी होने से आगे चलकर कई तरह की कठिनाइयां आती हैं। अभिभावकों को बच्चों के विवाह समय पर करने के लिए पहल करनी चाहिए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित हीरालाल शर्मा ने कहा कि परिचय सम्मेलन जैसे आयोजन समाज में आपसी भाईचारा और एकता बढ़ाते हैं। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को सही उम्र में विवाह के लिए प्रेरित करें। संचालन डीएस शर्मा ने किया। इस अवसर पर महामंत्री पंडित केएस शर्मा, मंदिर समिति अध्यक्ष पंडित गया प्रसाद शर्मा, सोहनलाल शर्मा, महेश चंद शर्मा, डोरीलाल शर्मा, सुधीर शर्मा, एसके शर्मा, नेमीचंद शर्मा, केशवदेव पाठक, गोकुलचंद शर्मा, तुलाराम शर्मा, मीडिया प्रभारी केके शर्मा, सतीश चंद शर्मा, सुरेश चंद शर्मा, वेदप्रकाश शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। धन्यवाद ज्ञापन केएस शर्मा ने किया।

अमित कुमार गर्ग बने ट्रेडर्स एसोसिएशन के नगर अध्यक्ष



अमित कुमार गर्ग

यूनिक समय, कोसीकलां। ट्रेडर्स एंड इंडस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश ने संगठन का विस्तार किया है। जिला प्रभारी डॉ. दिलीप जैन ने सोमवार को कोसीकलां निवासी व्यापारी अमित कुमार गर्ग (बैंठेनिया) को नगर अध्यक्ष मनोनीत किया है। उनके मनोनयन पर संगठन के पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी हैं। जिला प्रभारी के अनुसार, नवनियुक्त नगर अध्यक्ष शीघ्र अपनी कार्यकारिणी का गठन करेंगे।



हनुमान जी ने उजाड़ी अशोक वाटिका, जल उठी स्वर्णनगरी लंका

रावण दरबार में हनुमान रावण के ओजपूर्ण संवाद ने बांधा समां

जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा परिसर



रामलीला का दीप प्रज्जवलित करके शुभारंभ करते घमंडीवाचार्य वेणुगोपाल दास।

यूनिक समय, वृंदावन। रंगनाथ जी के बड़ा बगीचा में चल रहे 14 दिवसीय रामलीला महोत्सव में रविवार को लंका दहन लीला का रोमांचकारी मंचन किया गया। पवनपुत्र हनुमान द्वारा अशोक वाटिका उजाड़ने से लेकर स्वर्णनगरी लंका को अग्नि के हवाले करने तक के दृश्यों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। श्री राधा सर्वेश्वर लीला संस्थान के तत्वावधान में संचालक सौरभ द्विवेदी के आचार्यत्व में आयोजित पंचम रामलीला महोत्सव के नवम दिवस कलाकारों ने सजीव अभिनय से खूब तालियां बटोरीं। मंचन में दिखाया गया कि मां सीता की खोज करते हुए हनुमान जी समुद्र लांघकर लंका पहुंचते हैं। अशोक वाटिका में मां जानकी से भेंट कर उन्हें प्रभु श्रीराम का संदेश देते हैं। इसके बाद वाटिका के फल खाने और वृक्षों को उखाड़ने के साथ वाटिका तहस–नहस कर देते हैं। राक्षसों के साथ युद्ध के बाद मेघनाद उन्हें ब्रह्मपाश में बांधकर रावण के दरबार में ले जाता है। रावण के दरबार में हनुमान जी और लंकापति के बीच हुए ओजपूर्ण संवाद ने दर्शकों को खूब आकर्षित किया। रावण के आदेश पर हनुमान जी की पूंछ में आग लगाई जाती है, लेकिन पवनपुत्र उसी अग्नि से पूरी स्वर्णनगरी लंका को जलाकर राख कर देते हैं। लंका दहन के दृश्य के दौरान पूरा लीला परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

इससे पूर्व घमंडीवाचार्य वेणुगोपाल दास, प्रहलाद दास गुप्ता और सोनल पाठक ने श्रीराम दरबार-व्यासपीठ का विधिवत पूजन किया। इस अवसर पर बनवारीलाल संगीताचार्य, जगदीश शर्मा गुरुजी, बृजेश शर्मा, आलोक शर्मा, राकेश खेतान, अभय वशिष्ठ, देवेंद्र शर्मा, राधेश्याम अग्रवाल और श्रीभगवान शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चर्चाओं में रहे डॉ. विकास मिश्रा को मिली जिला अस्पताल की कमान

सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल के मुरादाबाद तबादले के बाद मिली जिम्मेदारी

शासन से नए सीएमएस की तैनाती तक संभालेंगे कार्यभार

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का पद रिक्त होने के बाद गुरुवार को डॉ. विकास मिश्रा को कार्यवाहक सीएमएस की जिम्मेदारी सौंप दी गई। पूर्व में विभिन्न मामलों को लेकर सुर्खियों में रहे डॉ. मिश्रा को अस्पताल की कमान सौंपे जाने के बाद स्वास्थ्य विभाग में इसकी चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, यह नियुक्ति स्थायी नहीं है। शासन से नए सीएमएस की तैनाती होने तक वह इस पद का दायित्व संभालेंगे।

दरअसल, जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल का मुरादाबाद स्थानांतरण हो गया है। उनके जाने के बाद अस्पताल में सीएमएस का पद खाली हो गया था। ऐसे में नए सीएमएस की नियुक्ति होने तक अस्पताल की प्रशासनिक और चिकित्सकीय व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए वरिष्ठता के आधार पर डॉ. विकास मिश्रा को कार्यवाहक सीएमएस बनाया गया है। एडी आगरा डॉ. मंजू सचान ने बताया कि डॉ. विकास मिश्रा वरिष्ठ चिकित्सक हैं। वरिष्ठता को आधार बनाकर उन्हें सीएमएस का कार्यभार सौंपा गया है। शासन से जब तक नए सीएमएस की नियुक्ति नहीं होती, तब तक वह कार्यवाहक सीएमएस के रूप में जिम्मेदारी निभाते रहेंगे। अग्रिम आदेश तक उनके पास ही यह दायित्व रहेगा।

वहीं, नई जिम्मेदारी मिलने के बाद कार्यवाहक सीएमएस से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। अब देखना होगा कि उनके कार्यकाल में जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं को किस तरह संचालित किया जाएगा।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल में डांडिया की धुन पर झूमे लोग



राजीव इंटरनेशनल स्कूल में डांडिया उत्सव के दौरान संगीत की धुनों पर नृत्य करते विद्यार्थी।

दीपोत्सव में भारतीय संस्कृति और आधुनिक संगीत का दिखा संगम

डीजे अंतरिक्ष की धुनों पर अभिभावक, शिक्षक और विद्यार्थियों ने किया नृत्य

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में दीपोत्सव का पर्व रंगारंग डांडिया उत्सव के साथ धूमधाम से मनाया गया। रंग-बिरंगी रोशनी, आकर्षक सजावट और पारम्परिक परिधानों के बीच आयोजित समारोह में अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने जमकर मस्ती की। डीजे अंतरिक्ष की धुनों पर देर रात तक पूरा परिसर डांडिया की थाप से गूंजता रहा।

समारोह का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास को उपस्थित लोगों ने तालियों से सराहा। स्कूल के संगीत शिक्षक विशाल, कोमल, निखिल और अमित ने भी अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधा। डीजे अंतरिक्ष ने डांडिया की लोकप्रिय धुनें छेड़ीं तो अभिभावक, शिक्षक और विद्यार्थी एक साथ थिरकने लगे।

उत्सव में पारम्परिक डांडिया के साथ आधुनिक संगीत का अनूठा संगम देखने को मिला। अभिभावकों के लिए लकी ड्रॉ और कूपन की व्यवस्था भी की गई। विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। समारोह का समापन सामूहिक उल्लास और रात्रिभोज के साथ हुआ।

इस अवसर पर मोहिनी अग्रवाल, केडी यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. मनेष लाहोरी, केडी मेडिकल कॉलेज के डीन- प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका, जीएल बजाज की निदेशक प्रो. नीता अवस्थी, राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. अमर सक्सेना, राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी के निदेशक प्रो. हिमांशु चोपड़ा, केडी डेंटल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर, केडी नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य एम.पी. चानू, नीरज छापड़िया, निधि शर्मा और स्कूल की प्राचार्य नंदिता ढींगरा सहित अनेक अतिथि मौजूद रहे।

आर.के. एजुकेशन हब के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, स्कूल चेयरमैन मनोज अग्रवाल और प्राचार्य नंदिता ढींगरा ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और परम्पराओं से जोड़ने के साथ उनमें सहयोग और सामूहिकता की भावना विकसित करते हैं।



राष्ट्रीय हैंडबॉल में श्रीजीबाबा विद्यालय ने जीता कांस्य पदक



राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने के बाद खुशी जाहिर करते खिलाड़ी।

आरव चौधरी और उमेश कुमार के प्रदर्शन से पहली बार मिली राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि

यूनिक समय, मथुरा। मध्य प्रदेश के उमरिया में आयोजित 70वीं एसजीएफआई राष्ट्रीय अंडर-14 हैंडबॉल प्रतियोगिता में श्रीजीबाबा सरस्वती विद्या मंदिर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। विद्यालय के आरव चौधरी और उमेश कुमार ने उत्तर प्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए इस उपलब्धि में अहम भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता के प्री–क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश की टीम ने जीत दर्ज की। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में मणिपुर को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। हालांकि, सेमीफाइनल में मेजबान मध्य प्रदेश की टीम से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में उत्तर प्रदेश की टीम ने नवोदय विद्यालय समिति को पराजित कर कांस्य पदक अपने नाम किया।

विद्यालय के हैंडबॉल कोच गिरीश तोमर ने बताया कि आरव चौधरी और उमेश कुमार श्रीजीबाबा छात्रावास में रहकर पूरे वर्ष नियमित अभ्यास करते हैं।

इस उपलब्धि पर प्रधानाचार्य हरेन्द्र कुमार सारस्वत, अध्यक्ष महंत रमाकान्त गोस्वामी, प्रबंधक तेजपाल सिंह, संजीव अग्रवाल, प्रेमशंकर, गोकुलेश शर्मा और प्रबंध समिति के सदस्यों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में तीन निशानेबाज चमके

नॉर्थ जोन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर किया क्वालीफाई



राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में चयनित केएमएमएस के निशानेबाज विद्यार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा माखन मिलेनियम स्कूल (केएमएमएस) के तीन होनहार निशानेबाजों ने देहरादून में आयोजित नॉर्थ जोन शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में जगह बनाई है।

मयंक चौधरी (कक्षा आठ), अश्मन गर्ग (कक्षा नौ) और ओमान्श अग्रवाल (कक्षा आठ) ने जीवी मावलंकर शूटिंग चैंपियनशिप और राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

तीनों खिलाड़ियों को शूटिंग कोच प्रखर अवस्थी ने प्रशिक्षण दिया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन और प्रधानाचार्य ने खिलाड़ियों सहित कोच को बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

रोटावेटर की चपेट में आकर राजस्थान के मजदूर की मौत

यूनिक समय, बाजना। जटपुरा मोड़ के पास खेत में काम करते समय रोटावेटर की चपेट में आने से 45 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान राजस्थान के शीशवाड़ा निवासी महावीर पुत्र खुशीराम के रूप में हुई है। महावीर परिवार की आजीविका चलाने के लिए कुछ समय पहले बाजना आए थे। वह ट्रैक्टर–रोटावेटर चलाने का काम करते थे। बताया गया कि जटपुरा मोड़ के पास काम के दौरान वह चलते रोटावेटर की चपेट में आ गए। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने राजस्थान में रह रहे मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है।

मौसम बदलते ही वायरल का हमला,उमड़ी मरीजों की भीड़



जिला अस्पताल की ओपीडी में पर्चा बनवाने के लिए कतार में इंतजार करते मरीज।

फिजिशियन की ओपीडी में रोजाना 180 से 200 मरीज

पर्चा बनवाने से डॉक्टर को दिखाने तक करना पड़ रहा इंतजार

यूनिक समय, मथुरा। मौसम के बदलते मिजाज ने लोगों की सेहत बिगाड़नी शुरू कर दी है। तापमान में उतार-चढ़ाव के चलते सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। जिला अस्पताल की ओपीडी में रोजाना मरीजों की भीड़ उमड़ रही है। फिजिशियन की ओपीडी में प्रतिदिन करीब 180 से 200 मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। सुबह अस्पताल खुलते ही पर्चा काउंटर पर लंबी कतार लग जाती है। पर्चा बनवाने के बाद डॉक्टर को दिखाने के लिए भी मरीजों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है।

जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. रवि माहेश्वरी ने बताया कि ओपीडी में सबसे अधिक मरीज वायरल संक्रमण से पीड़ित पहुंच रहे हैं। रोजाना करीब 80 मरीज खांसी, जुकाम, गले में दर्द और बुखार की शिकायत लेकर आ रहे हैं।

इसके अलावा लगभग 35 मरीज सांस संबंधी परेशानी, 25 सांस फूलने, 20 शरीर में दर्द और 15 मरीज खून की कमी की समस्या से पीड़ित मिल रहे हैं। प्रतिदिन दो से चार मरीज चक्कर आने की शिकायत भी लेकर पहुंच रहे हैं।

डॉ. माहेश्वरी ने बताया कि मौसम में लगातार बदलाव का असर सीधे लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। थोड़ी सी लापरवाही भी बीमारी की वजह बन सकती है। वायरल के लक्षण दिखाई देने पर खुद से दवा लेने के बजाय चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। बदलते मौसम में खानपान और दिनचर्या का ध्यान रखना जरूरी है। साफ और ताजा भोजन करें और पर्याप्त पानी पीते रहें। ठंडी चीजों के सेवन से बचें और धूल-धुएं से दूर रहें। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को ढकें।

बच्चों की खरीदारी का नया ठिकाना बना किलकारी



किलकारी शोरूम के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद पार्षद चंदन आहूजा अतिथियों का स्वागत करते हुए।

एमएलसी योगेश नौहवार ने कृष्णा नगर में शोरूम का किया शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णा नगर बिजली घर के बाहर बच्चों की खरीदारी के लिए किलकारी शोरूम शुरू हो गया। सोमवार को एमएलसी योगेश नौहवार ने फीता काटकर शोरूम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वार्ड 30 के पार्षद चंदन आहूजा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शोरूम के संचालक महेश आहूजा और अनुराग चौधरी ने बताया कि ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। स्टोर तक नहीं पहुंच पाने वाले ग्राहकों के लिए ऑनलाइन खरीदारी की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इस मौके पर भाजपा कृष्णा नगर मंडल अध्यक्ष राजू चौधरी, पार्षद तिलक वीर चौधरी, गुलशन, राकेश भाटिया, धनंजय लोधी, राजीव सिंह, राघवेंद्र ठाकुर, कोमल ठाकुर, पप्पन ठाकुर, हरीश जादौन, संदीप ठेनुआ, अभिषेक माहेश्वरी, लव गुप्ता, भूषण आहूजा, आदर्श आहूजा, बीसी आहूजा, हरिओम आहूजा, गौरव आहूजा, स्पर्श शर्मा, आदित्या आहूजा और मर्यादित्य सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर दो मैक्स पिकअप भिड़ीं,दो लोगों की मौत

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेस-वे पर शनिवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। आगरा से नोएडा की ओर जाने वाले मार्ग पर माइलस्टोन संख्या 63 के पास खराब होने के कारण सड़क पर खड़ी मैक्स पिकअप में पीछे से तेज गति से आ रही दूसरी पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में खड़ी पिकअप के चालक और क्लीनर की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद दूसरी पिकअप का चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, एक नवंबर की रात करीब 12 बजे यमुना एक्सप्रेसवे कंट्रोल रूम से नौहझील पुलिस को



इंदल पासवान शिव शंकर पासवान

दुर्घटना की सूचना मिली। इस पर बाजना कट चौकी प्रभारी हरेंद्र सिंह तोमर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि एक मैक्स पिकअप का एक्सल टूटने से वह बीच सड़क पर खराब होकर खड़ी हो गई थी। चालक और परिचालक वाहन के पास ही खड़े

एक्सल टूटने से सड़क पर खड़ी थी मैक्स पिकअप चालक और क्लीनर बने हादसे का शिकार

थे। इसी दौरान पीछे से तेज गति में आई दूसरी मैक्स पिकअप ने खड़ी गाड़ी में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि खड़ी पिकअप के पास मौजूद दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान शिवशंकर पुत्र स्व. भोला पासवान और इंदल पुत्र महेश्वर पासवान निवासी ग्राम मानपुर, जिला सीतामढ़ी, बिहार के रूप में हुई। दोनों की पहचान वाहन पर मिले राम प्रवेश पासवान ने की। हादसे के बाद टक्कर मारने वाली पिकअप का चालक वाहन छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर किनारे खड़ा कराया, जिसके बाद एक्सप्रेसवे पर यातायात सुचारू हो सका। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मनमर्जी से कहीं भी खड़े कर देते हैं ई-रिक्शा, जाम से जूझ रहे राहगीर



सोमवार को हरी निकुंज चौराहा को घेरकर खड़े ई- रिक्शा।

मंदिरों के आसपास बेतरतीब खड़े रिक्शों से रास्ता हो रहा बाधित

वाहन चालकों की बढ़ी मुश्किलें

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की सड़कों पर ई-रिक्शा चालकों की मनमानी राहगीरों और वाहन चालकों के लिए मुसीबत बनती जा रही है। सवारी की तलाश में चालक कहीं भी रिक्शा खड़ा कर देते हैं। कई जगह एक के पीछे 10 से 12 ई-रिक्शा कतार लगाकर खड़े हो जाते हैं, जिससे सड़क का बड़ा हिस्सा घिर जाता है, जिससे आवागमन बाधित होता है। मंदिरों के आसपास स्थिति अधिक गंभीर है। दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को पैदल निकलने तक में परेशानी होती है।

वहीं पीछे से आने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों को रास्ता नहीं मिल पाता। कई बार बेतरतीब खड़े एक ई-रिक्शा के कारण वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। चालकों के सवारी तलाशने चले जाने से सड़क पर खड़े रिक्शों को हटाने वाला भी कोई नहीं रहता। इससे वृंदावन की पहले से व्यस्त सड़कों पर यातायात का दबाव और बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ई-रिक्शा के लिए निर्धारित पार्किंग और ठहराव व्यवस्था का पालन कराया जाए, ताकि श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को इस परेशानी से राहत मिल सके।

धनतेरस की तैयारी में जुटा कोसीकलां का बाजार

छह नवंबर को पर्व, पीतल तांबे से लेकर स्टील और नॉन स्टिक की वैरायटी तैयार

100 से 10 हजार रुपये तक के विकल्प

यूनिक समय, कोसीकलां। धनतेरस की दस्तक के साथ ही कोसीकलां के बाजारों में त्योहार की रौनक लौटने लगी है। छह नवंबर को मनाए जाने वाले धनतेरस पर्व को लेकर बर्तन कारोबारियों ने दुकानों को नए डिजाइनों और आकर्षक वैरायटी से सजा दिया है। मान्यता के चलते इस दिन बर्तन खरीदने की परंपरा है। ऐसे में दुकानदारों को इस बार अच्छे कारोबार की उम्मीद है। बाजार में पीतल, स्टील, तांबे और कांसे के बर्तनों के साथ बोन चाइना और नॉन स्टिक के आकर्षक सेट ग्राहकों को लुभा रहे हैं। दुकानदारों ने बताया कि धनतेरस पर ग्राहकों की भीड़ को देखते हुए दिल्ली, मुरादाबाद और खुर्जा से नए डिजाइन के बर्तन मंगाए गए हैं। फूलों की नक्काशी वाले पीतल के कलश, पूजा के लोटे, थाली और गिलास सेट की खास तैयारी की गई है।

बर्तन व्यापारी संघ के पदाधिकारी ने बताया कि धनतेरस पर नया बर्तन खरीदना मां लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक माना जाता है। इसी परंपरा के चलते लगभग हर परिवार इस दिन कुछ न कुछ खरीदारी जरूर करता है। ग्राहकों के बजट को ध्यान में रखते हुए दुकानों पर 100 रुपये से लेकर 10 हजार रुपये तक के बर्तन उपलब्ध कराए गए हैं। बर्तन व्यापारी सुरेशचंद शर्मा ने बताया कि पिछले दो वर्षों से बाजार में कारोबार की स्थिति सुस्त रही, लेकिन इस बार धनतेरस को लेकर व्यापारियों में उत्साह है। उन्होंने कहा कि मान्यता है कि इस दिन बर्तन खरीदने से घर में सुख-समृद्धि आती है। व्यापारियों ने नगर पालिका और पुलिस प्रशासन से धनतेरस पर बाजार में अतिरिक्त रोशनी, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने की मांग की है, ताकि देर शाम तक महिलाएं और परिवार बिना परेशानी खरीदारी कर सकें।

251 जरूरतमंद परिवारों के घर भी रोशन होगी दीपावली

बृज प्रभात सेवा संस्थान बांटेगा राशन, वस्त्र और मिठाइयां, पांच नवंबर को आयोजन

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली की खुशियां इस बार जरूरतमंद परिवारों के घरों तक भी पहुंचेंगी। बृज प्रभात सेवा संस्थान और पंच यज्ञ प्रचारिणी सभा ने 251 निर्धन परिवारों के साथ दीपावली मनाने का संकल्प लिया है।

पांच नवंबर को आर्य नगर स्थित आर्य समाज धर्मशाला में आयोजित सेवा महोत्सव में परिवारों को राशन, वस्त्र और मिठाइयां भेंट की जाएंगी, ताकि आर्थिक तंगी के चलते किसी के घर का त्योहार फीका न रहे। आयोजन की तैयारियों को लेकर रविवार को राधागोविन्द नगर स्थित सेठ एसआर पब्लिक स्कूल में बैठक हुई। अध्यक्षता धरमजी महाराज ने की। संस्थान अध्यक्ष कन्हैयालाल गोयल ने कहा कि दीपावली की सार्थकता तभी है, जब जरूरतमंदों के घर भी खुशियों का दीप जले।

सेवा, प्रेम और सामाजिक समरसता ही त्योहार की असली भावना है। संस्थान का प्रयास है कि कोई परिवार भूखा और उदास रहकर दीपावली मनाने को मजबूर न हो। उन्होंने नगरवासियों से इस सेवा कार्य में सहयोग की अपील की।

इस अवसर पर योगेश धानौतिया, अनिल प्रधान शेरगढ़िया, हरीश गर्ग, आचार्य विवेक उपाध्याय, राजपाल शर्मा, दामोदर पटवारी, महेश अग्रवाल, कन्हैयालाल मंगला, हिमांशु अग्रवाल, अनिरुद्ध पालीवाल, भारत शर्मा, डॉ. नरदेव शर्मा, कपिल खंडेलवाल, मनीष जैन, पंकज विशंभरिया और लव गोयल सहित संस्थान के पदाधिकारी मौजूद रहे।

युवाओं को सपा शासनकाल की घटनाओं से अवगत कराने का आह्वान

यूनिक समय, मथुरा। भाजपा जिला मथुरा की संगठनात्मक बैठक सोमवार को जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे की अध्यक्षता में हुई। इसमें आगामी चुनावों की तैयारियों, संगठन की मजबूती और पार्टी की रणनीति पर चर्चा की गई। साथ ही मंगलवार को बरेली में प्रस्तावित 'अराजकता हटाओ, लोकतंत्र बचाओ' मार्च को सफल बनाने की रूपरेखा तय कर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे ने कार्यकर्ताओं से आमजन के बीच पहुंचकर वर्ष 2014 और 2017 से पहले के शासनकाल की घटनाओं से युवाओं को अवगत कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उस समय के युवा अब बड़े हो चुके हैं, लेकिन उनमें से कई को सपा शासनकाल की घटनाओं की जानकारी नहीं है। उन्होंने जवाहरबाग की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि सार्वजनिक पार्क पर अवैध कब्जे को खाली कराने पहुंची टीम पर हमले में एक इंस्पेक्टर और एक



सोमवार को आयोजित भाजपा की बैठक में जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय आदि।

अधिकारी की जान चली गई थी। बैठक में जिला महामंत्री अमन ठाकुर, सत्यपाल चौधरी, आकाश चौधरी, जिला उपाध्यक्ष जगमोहन पाठक, कमल वार्ष्णेय, अनिल चौधरी, मनीषा पाराशर, वीरचंद्र गुर्जर, मुकेश वार्ष्णेय, मुदिता शर्मा, जिला मंत्री ज्ञानेंद्र चौहान, अजय जाटव, रणवीर सिंह, भानु प्रताप, ओमप्रकाश सैनी, सुरेश तरकर और जिला कोषाध्यक्ष हुकुम चंद्र अग्रवाल आदि मौजूद रहे। संचालन जिला महामंत्री सत्यपाल चौधरी ने किया। जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक में जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और विभिन्न मोर्चों के अध्यक्षों ने भाग लिया।

धनतेरस की आहट से बाजारों में लौटी दीपावली की रौनक

यूनिक समय, कोसीकलां। धनतेरस की दस्तक के साथ ही बाजारों में दीपावली की रौनक लौट आई है। पांच दिवसीय दीप पर्व का आगाज छह नवंबर को होगा। पर्व से पहले ही कोसीकलां के बाजार सज-धजकर ग्राहकों के स्वागत को तैयार हैं। दुकानों की आकर्षक सजावट और खरीदारी के लिए सजे सामान लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। व्यापारियों को इस बार अच्छे कारोबार की उम्मीद है।

सर्राफा बाजार में सोने-चांदी के सिक्कों पर लक्ष्मी-गणेश की नक्काशी, चांदी के नोट और नए डिजाइन के आभूषण आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कारोबारियों के मुताबिक, इस बार हल्के वजन की ज्वेलरी की मांग अधिक है। उधर, बर्तन बाजार में स्टील के डिनर सेट, प्रेशर कुकर, पीतल की परात, लोटा, तांबे के जग और पूजा के बर्तनों की भरमार है। दुकानदार सुरेश शर्मा के अनुसार, धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा के चलते अच्छी बिक्री की उम्मीद है।

ऑटोमोबाइल शोरूम और इलेक्ट्रॉनिक दुकानों पर भी ग्राहकों को लुभाने के लिए विशेष दीपावली ऑफर दिए जा रहे हैं। दोपहिया और चारपहिया वाहनों की बुकिंग शुरू हो चुकी है। वहीं त्योहार के मद्देनजर पुलिस ने बाजारों में सुरक्षा और व्यवस्था के इंतजाम किए हैं।

दिल्ली भ्रमण में बच्चों ने देखी ज्ञान विज्ञान और संस्कृति की दुनिया

चिड़ियाघर में वन्यजीवों से हुए रूबरू, विज्ञान केंद्र में किए प्रयोग

अक्षरधाम में जाना गौरवशाली इतिहास

यूनिक समय, कोसीकलां। बजरंग विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने रविवार को दिल्ली के शैक्षणिक भ्रमण में पढ़ाई के साथ मनोरंजन और अनुभवों की नई दुनिया देखी। कमला नगर स्थित विद्यालय की ओर से आयोजित एक दिवसीय यात्रा में बच्चों ने चिड़ियाघर में वन्यजीवों को करीब से देखा तो विज्ञान केंद्र में प्रयोग कर वैज्ञानिक



भ्रमण के दौरान फोटो खिंचवाते विद्यार्थी।

सोच को परखा। ऐतिहासिक स्थलों और अक्षरधाम मंदिर के भ्रमण ने उन्हें भारतीय इतिहास और संस्कृति से भी परिचित कराया। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में शेर, बंदर और अन्य वन्यजीवों को देखकर बच्चे उत्साहित नजर आए। उन्होंने शिक्षकों से उनके रहन-सहन और संरक्षण संबंधी सवाल भी पूछे। राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रयोग किए और थ्री-डी शो के माध्यम से अंतरिक्ष की जानकारी हासिल की। राष्ट्रीय संग्रहालय में प्राचीन मूर्तियों और ऐतिहासिक हथियारों को देखकर इतिहास की जानकारी ली। अमर जवान ज्योति पर दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और देशभक्ति के नारे लगाए। अक्षरधाम मंदिर में नौका विहार के दौरान ऋषि-मुनियों और भारतीय संस्कृति से जुड़ी कथाओं को जाना। विद्यालय निदेशक लोकेंद्र पाराशर और प्रबंध समिति की पहल पर आयोजित इस भ्रमण में शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि किताबी शिक्षा के साथ व्यावहारिक अनुभव बच्चों के व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास के लिए जरूरी हैं। अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना की।

यमुना पर पुल निर्माण और घाटों का हो जीर्णोद्धार



पुल निर्माण की मांग को लेकर डीएम को ज्ञापन देने आए लोक चेतना जन जागरण के पदाधिकारी आदि।

यूनिक समय, मथुरा। फरह क्षेत्र के धार्मिक, सामाजिक और विकास संबंधी मुद्दों को लेकर जन जागरण यात्रा के बाद सोमवार को पदाधिकारी डीएम से मिले। पांच बिंदुओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में यमुना पर पुन निर्माण, गर्गाचार्य आश्रम के घाटों का जीर्णोद्धार, फरह कस्बा पर रेलवे ओवर ब्रिज समेत पांच मांगों पर सरकार का ध्यान जताया गया। लोक चेतना जन जागरण यात्रा के संयोजक- दीनदयाल धाम के पूर्व निदेशक राजवीर सिंह के अनुसार, ज्ञापन में भगवान श्रीकृष्ण-बलराम के कुलगुरु गर्गाचार्य ऋषि की तपोस्थली गढ़ाया में यमुना घाटों का जीर्णोद्धार और ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग पर यमुना नदी पर पुल निर्माण समेत पांच मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया है। फरह को पुनः तहसील बनाने के अलारवा दीनदयाल धाम रेलवे स्टेशन के गेट संख्या 518 पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण, अतिरिक्त मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव और फरह-गोवर्धन और भरतपुर-मथुरा मार्ग के जाजमपट्टी चौराहे पर फ्लाईओवर निर्माण की मांग की गई। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में निकाली गई यात्रा का उद्देश्य ब्रज में बढ़ते नशे के प्रभाव को रोकना, हरिनाम संकीर्तन को बढ़ावा देना, कुओं, बगीचों, अखाड़ों और व्यायामशालाओं को पुनर्जीवित करना भी रहा। इस दौरान हरीशंकर पाठक, रूप चंद शर्मा, कृष्ण हरी शर्मा, चंद पाठक पाठक, सोमवीर ठाकुर, हरपाल ठाकुर, सरनाम सिंह, रवीन्द्र शर्मा, रामस्वरूप मामा, उमाशंकर, चतुर्भुज शर्मा, रामवीर सिंह प्रधान, सुरंजन शर्मा, शिवचरन, संगम लाल प्रचारक, शंकर लाल आदि मौजूद रहे।

सुविचार

समय की कद्र करो, बीता हुआ पल लौटकर कभी नहीं आता।

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	01:11-11:55 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष	
नक्षत्र	मघा	03:46-03:26 तक	माह	कार्तिक	
सूर्योदय		6:31 AM	चन्द्रोदय	12:42 PM	
सूर्यास्त		5:34 PM	चंद्रास्त	01:56 AM	
सूर्य राशि		तुला राशि	चंद्र	सिंह राशि	
शुभ मुहूर्त		11:41AM –12:26 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:47-05:38	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		02:48 PM: 04:11 PM	वार	मंगलवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

राम–कृष्ण की तुलना कर विवादों में घिरे धीरेंद्र शास्त्री



यूनिक समय। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करेरा में आयोजित श्रीराम कथा के दौरान भगवान श्रीराम के धनुष और भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी को लेकर की गई उनकी टिप्पणी सोशल मीडिया पर विवाद का विषय बन गई है। वायरल वीडियो में धीरेंद्र शास्त्री दोनों भगवानों के स्वरूप और उनकी मुद्राओं की तुलना

करेरा की रामकथा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

किसी ने मजाक तो किसी ने आस्था का अपमान बताया

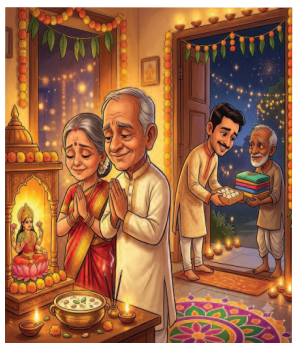
करते नजर आ रहे हैं। उनके बोलने के अंदाज पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई है, जबकि समर्थक इसे कथा के दौरान किया गया हास्य बता रहे हैं।

कथा के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि भगवान श्रीराम सीधे खड़े होते हैं, जबकि भगवान श्रीकृष्ण की मुद्रा तीन स्थानों से मुड़ी हुई होती है। उन्होंने श्रीकृष्ण की बांसुरी और वृंदावन के साथ भगवान श्रीराम के धनुष और अयोध्या का उल्लेख करते हुए दोनों के स्वरूपों की तुलना की। उन्होंने यह भी कहा कि बांसुरी बजाना आसान है, लेकिन धनुष चलाना हर किसी के बस की बात नहीं है। इस दौरान मंच पर मौजूद बांसुरी वादक की ओर इशारा करते हुए उन्होंने हास्य का माहौल बनाया। बताया गया कि बाद में उन्होंने अपनी टिप्पणी को मजाक में कही गई बात बताया। बयान सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर दो पक्ष बन गए हैं।

कुछ लोगों का कहना है कि भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण दोनों करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र हैं। धार्मिक मंच से उनकी तुलना करते समय शब्दों की मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। वहीं दूसरे पक्ष का मानना है कि कथा के दौरान हास्य के माध्यम से दोनों भगवानों के अलग–अलग स्वरूप समझाने की कोशिश की गई थी। धार्मिक मान्यताओं में श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम और श्रीकृष्ण लीला पुरुषोत्तम के रूप में पूजनीय हैं। श्रीकृष्ण की तीन स्थानों से मुड़ी मुद्रा को त्रिभंग मुद्रा कहा जाता है। ऐसे में विवाद का केंद्र केवल तुलना नहीं, बल्कि उसे प्रस्तुत करने का तरीका बन गया है। सार्वजनिक मंच से दिए गए बयानों पर सवाल उठाना उचित है, लेकिन आलोचना और व्यक्तिगत अपमान के बीच अंतर बनाए रखना भी जरूरी है।

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर
डॉ. अनिल कुमार गौतम — M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)
डॉ. दुर्गेश कुमार — M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT
डॉ. वी. के. पांडे — M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान — M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON
डॉ. इला अग्रवाल — M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. एकता थडानी — M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार — M.B.B.S. DVD. MIADVI
डॉ. नितेश जिंदल — MBBS, MD, MEDICINE
डॉ. नरेश अग्रवाल — M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य — M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &
डॉ. मनदीप यादव — D.P.T B.P.T
डॉ. चेतना अग्रवाल — B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद — (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH
डॉ. एम. माहेश्वरी — M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹ 5 लाख तक का निःशुल्क उपचार
आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है
आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

दीवाली पर विवाह में देरी दूर करने के बताए उपाय



मां लक्ष्मी को खीर का भोग लगाकर करें प्रार्थना

जरूरतमंदों को सफेद मिठाई और वस्त्र दान करें

यूनिक समय, मथुरा। बेटे या बेटी के विवाह में देरी होने पर परिवार के लोग अक्सर चिंतित रहते हैं। रिश्ते तलाशने के बावजूद बात नहीं बनती। ऐसी स्थिति में दिवाली पर कुछ धार्मिक उपाय करने की मान्यता है। ज्योतिषाचार्य पं. अजय कुमार तैलंग के अनुसार, ज्योतिष शास्त्र में विवाह के लिए शुक्र और बृहस्पति ग्रह के साथ कुंडली के सातवें स्थान को महत्वपूर्ण माना गया है।

पं. अजय कुमार बताते हैं कि दिवाली की अमावस्या पर मां लक्ष्मी की पूजा करते समय उन्हें खीर या सफेद मिठाई का भोग लगाएं। खीर में दो छोटी हरी इलायची डालने की भी सलाह दी गई है। पूजा के दौरान बेटे या बेटी के शीघ्र विवाह की प्रार्थना करें।

मान्यता के अनुसार, दिवाली या शुक्रवार को किसी जरूरतमंद दिव्यांग व्यक्ति को सफेद मिठाई खिलाएं। इसके साथ कंबल, कमीज, पैंट, टी–शर्ट या चप्पल जैसी नई वस्तुएं दान कर सकते हैं।

महंत के अनुसार, दान करने से पहले वस्त्र पर थोड़ा इत्र छिड़कने की परंपरा भी बताई गई है।

ये धार्मिक उपाय आस्था पर आधारित हैं, विवाह तय होने की गारंटी नहीं हैं।

दीये के नीचे रखें चार चीजें, मां लक्ष्मी करेंगी धनवर्षा

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए घरों में दीपक जलाने की परंपरा है। मान्यता है कि दीपक की रोशनी से नकारात्मकता दूर होती है और घर में सुख–समृद्धि का वास होता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, दीपक जलाते समय उसके नीचे चार विशेष चीजें रखना शुभ माना जाता है। इनमें लाई, बताशे, गुलाब की पंखुड़ियां और चावल शामिल हैं।

लाई, बताशे और गुलाब की पंखुड़ियों का महत्व

ज्योतिषी अखिलेश पांडेय के अनुसार, दीपावली पर दीपक के नीचे लाई रखना अन्न और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। वहीं बताशे मां लक्ष्मी को प्रिय भोग माने जाते हैं। इन्हें पूजा में शामिल करने की परंपरा है। गुलाब की पंखुड़ियां प्रेम, सुंदरता और पवित्रता का प्रतीक मानी जाती हैं। मां लक्ष्मी की पूजा में भी गुलाब अर्पित किया जाता है। धार्मिक मान्यता



है कि इन चीजों को दीपक के नीचे रखने से घर में बरकत बनी रहती है।

हिंदू धर्म में चावल को अक्षत कहा जाता है। पूजा–पाठ में इसका विशेष महत्व है। इसे पूर्णता,

दीपावली पर लाई, बताशे और गुलाब की पंखुड़ियों का विशेष महत्व

चावल रखने से जुड़ी है सुख–समृद्धि और खुशहाली की मान्यता

पवित्रता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि दीपक के नीचे चावल रखने से घर में अन्न–धन की कमी नहीं रहती और परिवार में सुख–शांति बनी रहती है। हालांकि ये सभी धार्मिक मान्यताएं और परंपराएं हैं, जिनका पालन श्रद्धालु अपनी आस्था के अनुसार करते हैं।

धनतेरस पर लक्ष्मी प्रतिमा खरीदते समय रखें इन बातों का ध्यान

यूनिक समय, मथुरा। धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि, भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा के साथ शुभ वस्तुओं की खरीदारी का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन लोग सोने–चांदी के आभूषण, बर्तन और अन्य वस्तुएं खरीदते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धनतेरस पर घर में शुभ वस्तुएं लाने से सुख–समृद्धि आती है। यदि आप इस अवसर पर मां लक्ष्मी की प्रतिमा खरीदने जा रहे हैं तो उसके स्वरूप और आसन का विशेष ध्यान रखें।

अयोध्या के ज्योतिषाचार्य पंडित कल्कि राम के अनुसार, घर में स्थापित करने के लिए मां लक्ष्मी की बैठी हुई मुद्रा वाली प्रतिमा को शुभ माना जाता है। प्रतिमा में माता लक्ष्मी कमल के



आसन पर विराजमान हों। धार्मिक मान्यता के अनुसार, कमल पर बैठी मां लक्ष्मी की प्रतिमा

कमल पर विराजमान मां लक्ष्मी की प्रतिमा खरीदें

सोना–चांदी न खरीद सकें तो कौड़ी लाएं

सुख, शांति और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती है। इसलिए बाजार से प्रतिमा खरीदते समय उसके स्वरूप और आसन को जरूर देखना चाहिए। पंडित कल्कि राम बताते हैं कि धनतेरस पर हर व्यक्ति के लिए सोना–चांदी खरीदना संभव नहीं होता। ऐसे में पीली कौड़ी खरीदना भी शुभ माना गया है। मान्यता के अनुसार, इस दिन 16 पीली कौड़ियां घर लाना मंगलकारी होता है। इसके अलावा 11 या 16 गोमती चक्र भी खरीदे जा सकते हैं। ध्यान रखें कि गोमती चक्र कहीं से टूटा या खंडित न हो।

धनतेरस की शाम 13 घी के दीपक जलाने की परंपरा भी बताई जाती है। एक मान्यता के अनुसार, प्रत्येक दीपक में एक–एक कौड़ी रखी जाती है। बची हुई तीन कौड़ियों को लाल सूती कपड़े पर रखकर मां लक्ष्मी के सामने स्थापित करें। उन पर हल्दी और कुमकुम का तिलक लगाकर पास में दीपक जलाएं और मां लक्ष्मी के मंत्र का जाप करें। धार्मिक मान्यताओं में इस उपाय को सुख–समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है।

सम्पादकीय

बड़ा आविष्कार चाहिए तो नजरिया बदलिए प्रयोगशाला नहीं

दुनिया में समस्याओं की कमी नहीं, लेकिन उनका समाधान खोजने वालों की नजरें अक्सर आसमान में रहती हैं। करोड़ों रुपये की परियोजनाएं, आधुनिक प्रयोगशालाएं और विदेशी तकनीक देखकर हम मान लेते हैं कि बड़ा आविष्कार करने के लिए भारी निवेश जरूरी है। मगर बेंगलुरु के प्रोफेसर साजी वर्गीज ने नारियल के सूखे पत्ते से ऐसी सीख दी है, जो बड़े–बड़े शोध संस्थानों को आईना दिखाती है। जिस पत्ते को हम कचरा समझकर जला देते हैं, उसी से उन्होंने पर्यावरण के अनुकूल पीने की नली तैयार कर दी। सवाल है कि हमारे आसपास मौजूद संभावनाओं को देखने के लिए आखिर कितनी बड़ी डिग्री चाहिए?



पवन गौतम
संपादक

वर्ष 2017 में जब दुनिया प्लास्टिक की समस्या से परेशान थी, तब प्रोफेसर की नजर जमीन पर पड़े नारियल के सूखे पत्ते पर गई। उन्होंने उसकी प्राकृतिक खूबियों को समझा और विद्यार्थियों के साथ प्रयोग शुरू कर दिया। नतीजा यह हुआ कि बेकार समझे जाने वाले पत्तों से टिकाऊ और उपयोगी उत्पाद तैयार हो गया। आज उनकी कंपनी दस देशों तक अपने उत्पाद पहुंचा रही है। यह सफलता केवल एक कारोबारी उपलब्धि नहीं, बल्कि हमारी सोच पर सवाल भी है। विडंबना देखिए कि भारत में नारियल के पत्ते हर साल बड़ी मात्रा में गिरते हैं। गांवों में इन्हें कचरा मानकर जला दिया जाता है। दूसरी ओर पर्यावरण बचाने के नाम पर हम विदेशों से महंगे विकल्प खोजते हैं। प्लास्टिक छोड़कर कागज अपनाया, लेकिन कागज की नली कुछ ही देर में पानी में जवाब दे देती है। यानी समस्या का समाधान खोजने के चक्कर में नई समस्या खड़ी कर दी। प्रकृति के पास विकल्प पहले से मौजूद था, कमी सिर्फ हमारी नजर में थी। हमारे देश में प्रतिभा की कमी नहीं है, कमी है प्रयोग करने की स्वतंत्रता और असफलता स्वीकार करने के साहस की। विद्यालयों में बच्चों को सवाल पूछने के बजाय अक्सर उत्तर रटने की शिक्षा दी जाती है। महाविद्यालयों में परियोजनाएं बनती हैं, प्रमाणपत्र मिलते हैं और फाइलें अलमारियों में पहुंच जाती हैं। कितने विद्यार्थी अपने प्रयोग को बाजार तक ले जा पाते हैं? कितने शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों को उद्यमी बनाने की जिम्मेदारी लेते हैं? सरकारें नवाचार के लिए योजनाएं बनाती हैं, अनुदान देती हैं और सम्मेलन आयोजित करती हैं। लेकिन नवाचार केवल भाषणों से पैदा नहीं होता। इसके लिए खुला दिमाग, जिज्ञासा, प्रयोग और सही मार्गदर्शन चाहिए। जरूरत है कि गांवों के कृषि अवशेषों को उद्योगों से जोड़ा जाए और ग्रामीण महिलाओं को उत्पादन तथा रोजगार के अवसर दिए जाएं। प्रोफेसर साजी की कहानी बताती है कि बड़ा विचार किसी महंगी प्रयोगशाला में ही जन्म नहीं लेता। कभी–कभी वह हमारे पैरों के नीचे पड़ा होता है। जरूरत बस इतनी है कि हम कचरा समझकर उसे नजरअंदाज करना बंद करें।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

हिमालय की झीलें बन रहीं जलप्रलय का द्वार, भारत की तैयारी कितनी दमदार

बोध प्रकाश सगुणी

हिमालय की चोटियों पर पिघलती बर्फ अब केवल पहाड़ों का भूगोल नहीं बदल रही, बल्कि मैदानी इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों की जिंदगी के लिए खतरे की घंटी बजा रही है। भूटान की शिंताफू ग्लेशियर झील से निकले पानी ने पश्चि म बंगाल और असम के सीमावर्ती जिलों में बाढ़ की आशंका पैदा कर दी। प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, बचाव दल तैनात किए और नदियों के जलस्तर पर निगरानी बढ़ाई। फिलहाल हालात संभलते दिखाई दे रहे हैं, लेकिन इस घटना ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या भारत हिमालय से उठने वाली ऐसी जलप्रलय की चुनौती का सामना करने के लिए वास्तव में तैयार है?



भूटान के गासा जिले के लेमथांग क्षेत्र में 29 अक्टूबर को शिंताफू झील का प्राकृतिक अवरोध टूटने से लाखों घन मीटर पानी बाहर निकला। अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र के अनुसार, घटना से पहले झील में लगभग 60 से 70 लाख घन मीटर पानी जमा था। पानी का प्रवाह भूटान की मो छू और पुनात्सांगछू नदी प्रणाली से होते हुए भारत की संकोश नदी की ओर बढ़ा। इस संभावित खतरे को देखते हुए केंद्रीय जल आयोग ने बाढ़ संबंधी परामर्श जारी किया। पश्चि म बंगाल के अलीपुरद्वार, कूचबिहार और असम के धुबरी तथा कोकराझार जिलों में प्रशासन को सतर्क किया गया।

यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली बारिश या नदियों के उफान तक सीमित नहीं हैं। हिमालय में ग्लेशियरों के पीछे हटने से नई झीलें बन रही हैं। इन झीलों के किनारे बर्फ, पत्थर और मिट्टी से बने प्राकृतिक अवरोध बेहद संवेदनशील होते हैं। भारी बारिश, भूस्खलन, हिमस्खलन अथवा भूकंप से ये अवरोध टूट जाएं तो कुछ ही समय में पानी का विशाल प्रवाह नीचे की ओर बढ़ सकता है। इसे हिमनद झील विस्फोट बाढ़ कहा जाता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पानी अकेला नहीं आता, अपने साथ चट्टानें, मिट्टी और भारी मलबा भी लाता है। रास्ते में आने वाली बस्तियों, सड़कों, पुलों और दूसरी संरचनाओं के लिए यह विनाशकारी साबित हो सकता है। भूटान की घटना के बाद पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में लगभग छह से सात हजार लोगों को एहतियातन सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। राहत शिविरों में भोजन और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल और नागरिक सुरक्षा की टीमें सक्रिय की गईं। असम में भी धुबरी और कोकराझार के संवेदनशील इलाकों पर निगरानी बढ़ाई गई। यह प्रशासनिक सतर्कता सराहनीय है, लेकिन केवल लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा देना स्थायी समाधान नहीं हो सकता। असली सफलता तब होगी जब खतरे का पता लोगों तक इतना पहले पहुंच जाए कि उन्हें अफरातफरी के बिना सुरक्षित निकाला जा सके।

इस घटना का दूसरा चिंताजनक पहलू एक नई अस्थायी झील का बनना है। भूटान के राष्ट्रीय जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पानी और मलबे के बहाव से टाक्त्सेमाखांग क्षेत्र में नई झील बन गई है। ऐसी झीलें भविष्य में दोबारा खतरा पैदा कर सकती हैं। यदि इनके प्राकृतिक अवरोध पर पानी का दबाव बढ़ता है तो एक और बाढ़ आ सकती है। यानी पहली आपदा का पानी उतरने के बाद भी खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं होता। प्रशासन को ऐसी झीलों की लगातार निगरानी करनी होगी और संभावित खतरे की जानकारी भारत के संबंधित राज्यों तक समय रहते पहुंचानी होगी।

अब सवाल भारत की तैयारी का है। देश में आपदा प्रबंधन के लिए संस्थाएं, बचाव दल और मौसम संबंधी चेतावनी प्रणालियां मौजूद हैं। हिमालयी क्षेत्रों में संवेदनशील झीलों की पहचान और निगरानी के प्रयास भी किए जा रहे हैं। सितंबर 2026 में केंद्र सरकार ने हिमालयी राज्यों की हिमनद झील विस्फोट बाढ़ और हिमस्खलन संबंधी तैयारियों की समीक्षा भी की थी। लेकिन बैठकों और योजनाओं की असली परीक्षा उस समय होती है, जब पहाड़ों से अचानक पानी का सैलाब नीचे उतरता है।

क्या भारत और भूटान के बीच ऐसी झीलों के जलस्तर की जानकारी लगातार साझा करने की पर्याप्त व्यवस्था है? क्या सीमा पार बहने वाली नदियों के जलस्तर में अचानक बदलाव की सूचना तत्काल संबंधित जिलों तक पहुंचती है? क्या नदी किनारे बसे गांवों में रहने वाले लोगों को चेतावनी सुनने और समझने के साधन उपलब्ध हैं? क्या सुरक्षित आश्रय स्थल और निकासी मार्ग पहले से निर्धारित हैं? इन सवालों का जवाब केवल सरकारी दावों से नहीं, बल्कि जमीन पर उपलब्ध सुविधाओं से मिलना चाहिए। भारत के लिए यह चुनौती इसलिए भी बड़ी है क्योंकि हिमालयी क्षेत्र में अनेक नदियां अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से होकर गुजरती हैं। अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम और उत्तर बंगाल के कई इलाके नदी घाटियों के आसपास बसे हैं। यहां जलविद्युत परियोजनाएं, सड़कें, पुल और दूसरी आधारभूत संरचनाएं भी हैं। अचानक आने वाली बाढ़ इन सभी को प्रभावित कर सकती है। इसलिए विकास परियोजनाओं की योजना बनाते समय प्राकृतिक जोखिमों को नजरअंदाज करना भविष्य के लिए गंभीर भूल होगी। नदियों के प्रवाह, पहाड़ों की बनावट और ग्लेशियरों में हो रहे बदलावों का वैज्ञानिक अध्ययन विकास योजनाओं का अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन ने इस चुनौती को और गंभीर बना दिया है। बढ़ता तापमान ग्लेशियरों को तेजी से पिघला रहा है। जिन स्थानों पर कभी बर्फ का विस्तार था, वहां पानी की बड़ी झीलें बन रही हैं। इसका अर्थ है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की आशंका को सामान्य मानकर चलना होगा। हर बार बाढ़ आने के बाद राहत सामग्री बांटना और नुकसान का आकलन करना पर्याप्त नहीं होगा। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है जो खतरे को पहले पहचान सके, संभावित प्रभावित क्षेत्रों का नक्शा तैयार करे और स्थानीय लोगों को नियमित रूप से आपदा से निपटने का प्रशिक्षण दे। सबसे जरूरी है कि भारत और भूटान के बीच वैज्ञानिक तथा प्रशासनिक सहयोग मजबूत हो। संवेदनशील झीलों की संयुक्त निगरानी, वास्तविक समय में आंकड़ों का आदान–प्रदान, नदी जलस्तर की सूचना और साझा चेतावनी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए। स्थानीय प्रशासन को भी केवल कागजी अभ्यास तक सीमित नहीं रहना चाहिए। गांवों में नियमित अभ्यास, चेतावनी संकेत, सुरक्षित स्थानों की जानकारी और बचाव दलों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी।

भूटान की शिंताफू झील से निकला पानी भले ही फिलहाल बड़ा नुकसान किए बिना आगे बढ़ गया हो, लेकिन उसने भविष्य के खतरे का स्पष्ट संकेत दे दिया है। हिमालय की चोटियों पर होने वाला बदलाव अब सीमाओं में बंधा मामला नहीं रहा। वहां उठने वाली जलप्रलय की लहर भारत के मैदानी इलाकों तक पहुंच सकती है। इसलिए सरकारों को यह समझना होगा कि आपदा प्रबंधन का मतलब केवल बाढ़ के बाद राहत पहुंचाना नहीं, बल्कि बाढ़ से पहले हर खतरे को पहचानना है। प्रकृति चेतावनी दे रही है, अब देखना यह है कि व्यवस्था उसे कितनी गंभीरता से सुनती है।

विचार विंडो

कानून की आड़ में वसूली का धंधा, न्याय व्यवस्था कब जागेगी

राम प्रकाश शर्मा

महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून किसी भी सभ्य समाज की जरूरत हैं। लेकिन जब सुरक्षा का हथियार किसी के लिए कमाई का जरिया बन जाए तो चिंता होना स्वाभाविक है। उत्तर प्रदेश में दुष्कर्म और छेड़खानी के झूठे मुकदमों के नाम पर वसूली के आरोपों ने कानून व्यवस्था के सामने एक गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है। एक अखबार की पड़ताल में कुछ महिलाओं पर झूठे मुकदमों के जरिए लोगों को फंसाने और फिर समझौते के नाम पर धन तथा जमीन वसूलने के आरोप सामने आए हैं। कुशीनगर से आगरा तक सामने आए मामले बताते हैं कि यदि आरोप सही साबित होते हैं तो यह केवल कुछ लोगों की धोखाधड़ी नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की कमजोरियों का फायदा उठाने वाला खतरनाक खेल है।

कुशीनगर की जरीना खातून का मामला इस पूरे खेल की गंभीरता उजागर करता है। पड़ताल के दौरान कैमरे पर उसने कथित तौर पर पैसे लेकर किसी को भी झूठे मुकदमे में फंसाने का दावा किया। उसने पुलिस से संबंध होने और मुकदमा दर्ज कराने में प्रभाव रखने की बातें भी कहीं। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि जमीन के विवाद, रास्ते की मांग और आपसी रंजिश के कारण उन पर छेड़खानी तथा दुष्कर्म के प्रयास जैसे गंभीर आरोप लगाए गए। उनका कहना है कि मुकदमों के बाद जेल और सामाजिक बदनामी का भय दिखाकर समझौते के लिए दबाव बनाया गया। आगरा की एक अन्य महिला पर भी कई युवकों को इसी तरह फंसाने और बाद में धन मांगने के आरोप सामने आए।

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसी कथित गतिविधियां लंबे समय तक चलती कैसे रहती हैं? यदि किसी महिला को पुलिस अधिकारियों से नजदीकी का दावा करके लोगों को डराने की छूट मिल जाती है, तो यह पुलिस व्यवस्था की निगरानी पर भी सवाल है। पुलिस का काम शिकायत सुनना, निष्पक्ष जांच करना और पीड़ित को न्याय दिलाना है, न कि किसी की निजी रंजिश का माध्यम बनना। यदि



किसी पुलिसकर्मी की मिलीभगत सामने आती है तो उसके खिलाफ भी उतनी ही सख्ती होनी चाहिए जितनी किसी दूसरे अपराधी के खिलाफ होती है।

दूसरी ओर, इन मामलों को आधार बनाकर महिलाओं की वास्तविक शिकायतों पर संदेह करना भी गलत होगा। देश में आज भी बड़ी संख्या में महिलाएं यौन अपराधों और उत्पीड़न का सामना करती हैं। सामाजिक दबाव, बदनामी और भय के कारण अनेक पीड़िताएं शिकायत तक नहीं कर पातीं। ऐसे में झूठे मुकदमों के आरोपों का इस्तेमाल वास्तविक पीड़ितों की आवाज दबाने के लिए नहीं होना चाहिए। कानून का उद्देश्य अपराधियों को बचाना नहीं, बल्कि निर्दोष को सजा से बचाते हुए पीड़ित को न्याय दिलाना है।

यौन अपराधों से जुड़े कानूनों में पुलिस के लिए शिकायत दर्ज करना महत्वपूर्ण कानूनी दायित्व है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 166ए के तहत निर्धारित मामलों में सूचना दर्ज करने से अनुचित इनकार करने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ दंड का प्रावधान है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि शिकायत दर्ज होने के बाद जांच की जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है। प्राथमिकी दर्ज करना और आरोप साबित होना दो अलग–अलग बातें हैं। पुलिस को साक्ष्य, परिस्थितियों और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष विवेचना करनी चाहिए।

अदालतों में झूठे साबित हुए मुकदमों के उदाहरण भी इस समस्या की गंभीरता बताते हैं। बदायूं की जिला अदालत में जनवरी 2023 से फरवरी 2025 के बीच 218 पॉक्सो मुकदमों के झूठे साबित होने की जानकारी सामने आई है।

बरेली में एक महिला को झूठी शिकायत के मामले में सजा और जुर्माना दिए जाने का उदाहरण भी सामने आया। हालांकि हर आरोप के खारिज होने का अर्थ अपने आप शिकायतकर्ता का जानबूझकर झूठ बोलना नहीं होता। इसलिए अदालत के निष्कर्ष और जांच के प्रमाणों के आधार पर ही कार्रवाई होनी चाहिए।

सरकार और पुलिस प्रशासन को ऐसे मामलों में विशेष निगरानी की व्यवस्था करनी चाहिए। जमीन विवाद, पारिवारिक रंजिश और आर्थिक लेनदेन से जुड़े मामलों में लगाए गए गंभीर आरोपों की भी कानून के अनुरूप गहराई से जांच होनी चाहिए। शिकायतकर्ता और आरोपी, दोनों के अधिकार सुरक्षित रहने चाहिए। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर झूठा मुकदमा दर्ज कराता है या पुलिसकर्मी मिलीभगत करके किसी निर्दोष को फंसाता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

न्याय व्यवस्था का भरोसा तभी कायम रहेगा जब कानून का इस्तेमाल सुरक्षा के लिए होगा, प्रतिशोध और वसूली के लिए नहीं। महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से सुनना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी किसी निर्दोष की जिंदगी को झूठे आरोपों से बर्बाद होने से बचाना भी है। कानून न किसी का निजी हथियार है और न कमाई का साधन। आखिर न्याय का तराजू आरोप लगाने वाले और आरोप झेलने वाले, दोनों के लिए बराबर होना चाहिए।

ऐतिहासिक जीत के बाद पाकिस्तान पर आईसीसी ने किया बड़ा एक्शन

श्रीलंका के खिलाफ 325 रन चेज कर जीती थी ट्राई सीरीज

स्लो ओवर रेट के चलते मैच फीस पर लगा 5 प्रतिशत जुर्माना

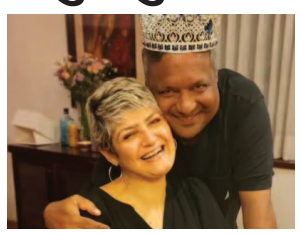


यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने श्रीलंका के खिलाफ वनडे ट्राई सीरीज के फाइनल में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था। हालांकि, इस बड़ी जीत के बाद अब इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने पाकिस्तानी टीम पर कार्रवाई की है। आईसीसी ने टीम को स्लो ओवर रेट का दोषी मानते हुए मैच फीस पर 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। पाकिस्तान ने फाइनल मुकाबले में श्रीलंका के 326 रनों के लक्ष्य को हासिल कर नया इतिहास बनाया था। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 325 रन बनाए थे। टीम की ओर से कामेंदु मेंडिस ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 128 गेंदों पर 131 रन की पारी खेली थी। जवाब में पाकिस्तान ने 48.3 ओवर में 7 विकेट खोकर 331 रन बना लिए और मुकाबला 3 विकेट से जीत लिया। पाकिस्तान की जीत में सलामी बल्लेबाज फखर जमां ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 99 गेंदों पर 127 रन बनाए। वहीं अराफत मिन्हास ने महज 31 गेंदों पर 61 रनों की तूफानी पारी खेलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। हालांकि, मैच के दौरान पाकिस्तान निर्धारित समय में अपने ओवर पूरे नहीं कर सका। आईसीसी मैच रेफरी जेफ क्रो ने पाया कि टीम ने तय समय में एक ओवर कम फेंका था। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत निर्धारित समय में ओवर पूरे नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इसी नियम के तहत पाकिस्तान पर कार्रवाई हुई है। कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है, जिसके बाद औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। इस तरह ऐतिहासिक जीत के बावजूद पाकिस्तान को आर्थिक जुर्माना झेलना पड़ा।

'तुम मेरा पीछा नहीं छोड़ोगे', संजय गुप्ता को याद कर भावुक हुईं पत्नी

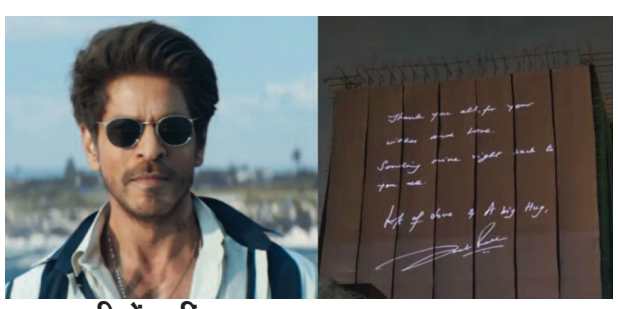
काश कुछ पल और साथ मिल जाते

सोशल मीडिया पर साझा किया दिल छू लेने वाला संदेश



यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्ममेकर संजय गुप्ता के निधन के बाद उनकी पत्नी अनुराधा लेखी गुप्ता ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने पति को बेहतरीन कहानीकार, शानदार पिता और बेहद उदार इंसान बताते हुए उनके साथ बिताए पलों को याद किया। 57 वर्षीय संजय गुप्ता का 30 अक्टूबर को निधन हो गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई स्थित घर में गिरने से उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। अनुराधा ने अपने पोस्ट में संजय को जिंदगी का सबसे मजाकिया और सकारात्मक इंसान बताया। उन्होंने लिखा कि संजय का दिल बहुत बड़ा था और वह हर किसी की मदद के लिए तैयार रहते थे। पति–पत्नी के बीच की शरारतों को याद करते हुए उन्होंने खुद को संजय की रानी और उन्हें अपना टॉम बताया। अनुराधा ने लिखा कि काश उन्हें संजय के साथ जिंदगी के कुछ साल और बिताने का मौका मिलता। फिलहाल वह उनके साथ बस एक दिन और चाहती थीं। पोस्ट के अंत में उन्होंने प्यार से संजय को 'गुप्तेश्वर' कहकर संबोधित किया और लिखा कि उन्हें बताया गया है कि वह अब भी उनका पीछा नहीं छोड़ेंगे। संजय के निधन पर अभिषेक बच्चन, राकेश रोशन, फराह खान और रोनित रॉय समेत कई बॉलीवुड हस्तियों ने श्रद्धांजलि दी। संजय ने 'कांटे', 'मुसाफिर' और 'शूटआउट एट वडाला' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया था।

61वें जन्मदिन पर शाहरुख का फैंस को खास तोहफा



बालकनी में नहीं आए किंग खान

हाथ से लिखा नोट शेयर कर जताया प्यार

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान ने 2 नवंबर को अपना 61वां जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर देशभर से प्रशंसक उन्हें बधाई देने मुंबई स्थित उनके बंगले मन्नत के बाहर पहुंचे। हालांकि, इस बार शाहरुख अपने फैंस से मिलने बालकनी में नहीं आए, लेकिन उन्होंने एक खास संदेश के जरिए सभी का आभार जताया। शाहरुख के जन्मदिन पर मन्नत को उनकी आने वाली फिल्म 'किंग' के पोस्टर्स और खास दृश्यों से सजाया गया था। घर के बाहर लगाए गए बड़े बोर्ड पर शाहरुख का हाथ से लिखा नोट भी दिखाई दिया। इसमें उन्होंने फैंस की शुभकामनाओं और प्यार के लिए धन्यवाद देते हुए लिखा कि वह भी सभी को ढेर सारा प्यार भेज रहे हैं। साथ ही उन्होंने प्रशंसकों को बड़ा सा हग देने की बात कही।

पोस्टर्स पर फिल्म के दमदार डायलॉग 'किंग अकेला काफी है' और 'डर नहीं, दहशत हूं' भी लिखे नजर आए। दरअसल, पिछले कई वर्षों से शाहरुख अपने जन्मदिन की आधी रात मन्नत की बालकनी में आकर फैंस का अभिवादन करते रहे हैं। लेकिन इस बार बंगले से दूर होने के कारण यह परंपरा टूट गई। इसके बावजूद फैंस का उत्साह कम नहीं हुआ।

'बिग बॉस–20' से बाहर हुए पंचायत के 'दामाद जी' आसिफ खान



कम वोट मिलने से टूटा सफर

आसिफ के एविक्शन पर फूट–फूटकर रोए स्काउट और यंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में इस हफ्ते एक और कंटेस्टेंट का सफर खत्म हो गया है। 'पंचायत' में दामाद जी का किरदार निभाकर पहचान बनाने वाले अभिनेता आसिफ खान शो से बाहर हो गए हैं। रविवार को 'वीकेंड का वार' एपिसोड में सलमान खान ने उनके एविक्शन का ऐलान किया। इस हफ्ते घर से बेघर होने के लिए आम्रपाली दुबे, अरिश्फा खान, स्काउट ओपी, उदिति सिंह, मनीष गोयल और आसिफ खान समेत छह सदस्य नॉमिनेट थे। सलमान खान ने बताया कि आसिफ को सबसे कम वोट मिले हैं। इस सीजन में हर कंटेस्टेंट को दो लाइफलाइन दी गई थीं। आसिफ पहले ही अपनी एक लाइफलाइन गंवा चुके थे। ऐसे में कम वोट मिलने के बाद उनकी दूसरी लाइफलाइन भी खत्म हो गई और उन्हें घर छोड़ना पड़ा। एविक्शन की खबर सुनकर आसिफ हैरान रह गए। वहीं उनके बाहर होने से अरिश्फा, यंग और स्काउट ओपी भावुक हो गए। खासतौर पर स्काउट फूट–फूटकर रोते नजर आए। घर से विदा लेते समय आसिफ ने अपने खास अंदाज में बीबी हेडलाइंस भी सुनाईं। इस बीच कनिका मान ने कैप्टेंसी टास्क जीतकर पहली बार घर की कप्तानी हासिल की।

न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, चैपमैन रचिन वनडे सीरीज से बाहर

चोट के चलते नहीं खेलेंगे दोनों स्टार खिलाड़ी

चार नवंबर से भारत के खिलाफ शुरू होगी पांच मैचों की सीरीज



यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार खिलाड़ी मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र चोट के कारण पांच मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने इसकी पुष्टि की है। चैपमैन बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट से परेशान हैं, जबकि रचिन रवींद्र का प्रमोशनल शूट के दौरान दायां कंधा डिसलोकेट हो गया था। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज की शुरुआत चार नवंबर से ऑकलैंड में होगी। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा कि दोनों खिलाड़ी टीम के लिए काफी अहम हैं, लेकिन उनकी फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लिया जा सकता। इस महीने के आखिर में टेस्ट सीरीज भी होनी है। ऐसे में खिलाड़ियों को पूरी तरह फिट होने का समय दिया जाएगा। दोनों की जगह टीम में हेनरी निकोल्स, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट और टिम सीफर्ट को शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज मैट फिशर भी शुरुआती तीन वनडे के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं, मैट हेनरी की फिटनेस का आकलन किया जाएगा। न्यूजीलैंड की कप्तानी मिचेल सैंटनर करेंगे।

सीएसके में बड़ा बदलाव, 14.2 करोड़ का खिलाड़ी होगा बाहर

आईपीएल 2027 से पहले प्रशांत वीर या कार्तिक शर्मा की हो सकती है छुट्टी

टीम बढ़ाना चाहती है अपना ऑक्शन पर्स



यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। पिछले ऑक्शन में करोड़ों रुपये खर्च करके खरीदे गए खिलाड़ियों में से किसी एक को फ्रेंचाइजी रिलीज कर सकती है। इसमें युवा खिलाड़ी प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा के नाम चर्चा में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टीम अपना ऑक्शन पर्स बढ़ाने के लिए इन दोनों में से किसी एक को बाहर करने पर विचार कर रही है। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2026 के ऑक्शन में प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा पर बड़ी बोली लगाई थी। दोनों खिलाड़ियों को 14.2–14.2 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया गया था। प्रशांत वीर का बेस प्राइस महज 30 लाख रुपये था, लेकिन कई टीमों के बीच बोली की होड़ के कारण उनकी कीमत 14.2 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। उत्तर प्रदेश के अमेठी के रहने वाले प्रशांत ने पिछले सीजन में 6 मुकाबले खेले और 90 रन बनाए। हालांकि, गेंदबाजी में वह कोई विकेट हासिल नहीं कर सके। दूसरी तरफ कार्तिक शर्मा ने 11 मैचों में 295 रन बनाए। उनसे भी टीम को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन उनका प्रदर्शन कीमत के हिसाब से खास नहीं रहा। इन दोनों खिलाड़ियों पर सीएसके ने कुल 28.4 करोड़ रुपये खर्च किए थे। फिलहाल टीम के पास करीब 2.4 करोड़ रुपये का ऑक्शन पर्स बताया जा रहा है। ऐसे में बड़े खिलाड़ियों को खरीदने के लिए टीम को अतिरिक्त रकम की जरूरत होगी। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, फ्रेंचाइजी प्रशांत या कार्तिक में से किसी एक को रिलीज कर सकती है। इतना ही नहीं, टीम नीलामी में उसी खिलाड़ी को कम कीमत पर दोबारा खरीदने की कोशिश भी कर सकती है। आईपीएल 2027 के लिए सभी टीमों को 15 नवंबर तक अपनी रिटेंशन लिस्ट जारी करनी है, जबकि नीलामी 16 दिसंबर को प्रस्तावित है। अब देखना होगा कि चेन्नई किस खिलाड़ी पर भरोसा बरकरार रखती है और किसकी छुट्टी करती है।

गांधी हत्या पर नाटक से मचा बवाल निर्देशक के चेहरे पर फेंकी स्याही

बेंगलुरु में प्रदर्शन के दौरान भिड़े दो पक्ष

गांधी को लेकर संवादों पर जताई गई आपत्ति



यूनिक समय, नई दिल्ली। बेंगलुरु के बनशंकरी इलाके में 'गांधी हत्या का सचः द ट्रुथ ऑफ गांधी मर्डर' नाटक के मंचन के दौरान जमकर हंगामा हुआ। शनिवार शाम सुचित्रा सिनेमा एंड कल्चरल एकेडमी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनकारियों और नाटक आयोजकों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान नाटक के लेखक और निर्देशक अडंडा सी. करियप्पा के चेहरे पर काली स्याही फेंक दी गई। पुलिस के मुताबिक, कुछ कांग्रेस कार्यकर्ता और अन्य संगठनों के सदस्य नाटक के संवादों पर आपत्ति जताते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचे थे। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि नाटक में महात्मा गांधी को अपमानजनक तरीके से पेश किया गया है और उन्हें देशद्रोही बताया गया है। इसको लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हुई, जो बाद में झड़प में बदल गई। घटना के बाद दोनों पक्षों ने बनशंकरी पुलिस स्टेशन में एक–दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। करियप्पा ने मारपीट, धमकी देने और नाटक में बाधा डालने का आरोप लगाया है। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने नाटक की सामग्री पर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस उपायुक्त डॉ. के. वामसी कृष्णा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ गवाहों के बयान भी दर्ज कर रही है।

68500 शिक्षक भर्ती पर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, विधानसभा का घेराव

63 दिनों से धरना और सात दिन से भूख हड़ताल जारी

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बसों में भरकर ईको गार्डन पहुंचाया



यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में 68500 सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा–2018 में आरक्षण विसंगति का मामला एक बार फिर गरमा गया है। अपनी मांगों को लेकर पिछले 63 दिनों से ईको गार्डन में धरना दे रहे सैकड़ों अभ्यर्थियों ने सोमवार को विधानसभा के सामने प्रदर्शन किया। इनमें कई अभ्यर्थी पिछले सात दिनों से भूख हड़ताल पर भी बैठे हैं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से आरक्षण विसंगति दूर करने, संशोधित परिणाम जारी करने और पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की मांग की। अभ्यर्थियों का आरोप है कि भर्ती प्रक्रिया में ओबीसी वर्ग को नियमानुसार आरक्षण का लाभ नहीं दिया गया, जिससे बड़ी संख्या में योग्य उम्मीदवार अपने अधिकारों से वंचित रह गए। उनका दावा है कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग समेत विभिन्न संस्थाओं ने उनके पक्ष में संस्तुतियां और आदेश जारी किए हैं। अभ्यर्थी 150 में 60 अंक यानी 40 प्रतिशत अर्हता के आधार पर ओबीसी वर्ग का संशोधित परिणाम जारी करने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थी सड़क पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ आवाज उठाई। इसके बाद पुलिस ने उन्हें जबरन हटाकर बसों में भरकर ईको गार्डन पहुंचा दिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे तूफान सिंह और आशुतोष वर्मा ने बताया कि 10 सितंबर को बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में भी यह मामला उठाया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ। अभ्यर्थियों ने जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच और कार्रवाई की भी मांग की है। उनका कहना है कि जब तक सरकार लिखित निर्णय लेकर मांगें पूरी नहीं करती, आंदोलन जारी रहेगा।

नोएडा में 45 करोड़ से बनेंगे दो नए रैनीवेल

सेक्टर–132 और 135 में यमुना किनारे होगा निर्माण

रोजाना 34 एमएलडी अतिरिक्त पानी मिलेगा

यूनिक समय, नोएडा। नोएडा में पेयजल की किल्लत दूर करने और गंगाजल की आपूर्ति बाधित होने पर राहत देने के लिए प्राधिकरण दो नए रैनीवेल बनाने जा रहा है। करीब 45 करोड़ रुपये की लागत से इनका निर्माण सेक्टर–132 और 135 में यमुना किनारे कराया जाएगा। दोनों रैनीवेल की क्षमता 17–17 एमएलडी होगी। इनके शुरू होने से शहर को रोजाना 34 एमएलडी अतिरिक्त पानी मिल सकेगा। प्राधिकरण का लक्ष्य 300 से 400 टीडीएस वाला पानी उपलब्ध कराना है। नोएडा में प्रतिदिन 450 एमएलडी से अधिक पानी की जरूरत होती है। फिलहाल गंगाजल से करीब 240 एमएलडी, नलकूपों से 110 एमएलडी और मौजूदा रैनीवेल से लगभग 100 एमएलडी पानी मिलता है। गंग नहर की सफाई या तकनीकी खराबी के कारण गंगाजल की आपूर्ति रुकने पर कई इलाकों में पानी की कमी हो जाती है। नए रैनीवेल इस समस्या से निपटने में मदद करेंगे। प्राधिकरण के जीएम जल आरपी सिंह के मुताबिक, अभी आठ रैनीवेल संचालित हैं और तीन अन्य जल्द शुरू किए जाने हैं। सभी प्रस्तावित रैनीवेल चालू होने के बाद इनसे पानी की आपूर्ति करीब 160 एमएलडी तक पहुंचने की उम्मीद है। इससे शहर की जलापूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी।

आगरा डीआरएम ऑफिस में रेल अधिकारी की मौत



कुर्सी पर मिला एओएम अभिषेक सिंह का शव

सुसाइड नोट में लिखा–मेरी मौत का जिम्मेदार कोई नही

यूनिक समय, आगरा। आगरा रेल मंडल के डीआरएम कार्यालय में असिस्टेंट ऑपरेशंस मैनेजर (एओएम) अभिषेक सिंह का शव मिलने से हड़कंप मच गया। रविवार रात उनका शव कार्यालय स्थित चैंबर में कुर्सी पर मिला। परिजनों के मुताबिक, अभिषेक सुबह घर से ऑफिस गए थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। उनका मोबाइल फोन भी बंद था। इसके बाद परिवार के लोग तलाश करते हुए रात करीब 10 बजे डीआरएम कार्यालय पहुंचे, जहां चैंबर खोलने पर उनका शव मिला। मौके पर उनके मुंह से झाग निकल रहा था और पास में कुछ गोलियां भी पड़ी थीं। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें अभिषेक ने अपनी याददाश्त कमजोर होने का जिक्र किया है और लिखा है कि उनकी मौत का जिम्मेदार कोई नहीं है। पुलिस ने नोट को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं, अभिषेक की पत्नी आस्था और मां सुशीला देवी ने वरिष्ठ अधिकारियों पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। पत्नी का कहना है कि अधिकारी उन्हें लगातार डांटते थे और ट्रेनिंग पर जाने का मौका भी नहीं दे रहे थे। मां ने आरोप लगाया कि उनसे अत्यधिक काम कराया जाता था और छुट्टी भी नहीं मिलती थी। पुलिस परिजनों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद स्पष्ट होगी।

जुआ खेलने से रोकने पर सिपाही की पिटाई, वर्दी फाड़ी



अलीगढ़ में यूपी–112 के जवान से युवक ने की मारपीट

बाइक छोड़कर मौके से फरार हुआ आरोपी

यूनिक समय, आगरा। अलीगढ़ के बन्नादेवी थाना क्षेत्र के नगला कलार इलाके में जुआ खेलने से रोकने पर एक युवक ने यूपी–112 के सिपाही के साथ मारपीट कर दी। आरोपी ने पुलिसकर्मी को मां–बहन की भद्दी गालियां दीं और विरोध करने पर हाथापाई शुरू कर दी। इस दौरान सिपाही की वर्दी फट गई। मारपीट में उसके कान और बाएं हाथ की उंगलियों में चोटें आई हैं। घटना के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक, यूपी–112 का सिपाही इलाके में ड्यूटी पर मौजूद था। इसी दौरान उसकी नजर एक युवक पर पड़ी, जो सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहा था। सिपाही ने युवक को जुआ खेलने से रोका और ऐसा न करने की हिदायत दी। इसी बात पर युवक नाराज हो गया। आरोप है कि उसने पुलिसकर्मी के साथ अभद्रता शुरू कर दी और उसे गालियां देने लगा। जब सिपाही ने इसका विरोध किया तो युवक ने हाथापाई करते हुए उसकी वर्दी फाड़ दी। इस दौरान सिपाही को चोटें भी आईं। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह अपनी मोटरसाइकिल मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। बन्नादेवी थाना पुलिस ने सिपाही की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मौके पर मिली बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फरार युवक की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

बिस्मिल्लाह खां के मकान पर टूटने का खतरा



दालमंडी सड़क चौड़ीकरण से बढ़ी चिंता

पद्मश्री सोमा घोष ने सरकार से स्मारक के रूप में संरक्षित करने की मांग की

यूनिक समय, कानपुर। वाराणसी में दालमंडी सड़क के विस्तारीकरण के चलते भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के हड़हासराय स्थित मकान पर टूटने का खतरा मंडरा रहा है। इस खबर से उनकी दत्तक पुत्री और शास्त्रीय गायिका पद्मश्री सोमा घोष ने गहरी चिंता जताई है। उन्होंने प्रदेश सरकार और प्रशासन से मकान को तोड़ने के बजाय स्मृति स्थल या सांस्कृतिक स्मारक के रूप में संरक्षित करने की अपील की है।

सोमा घोष का कहना है कि सड़क का चौड़ीकरण जरूरी है, लेकिन इसके लिए उस्ताद की यादों को मिटाना उचित नहीं होगा। उन्होंने प्रशासन से मकान को बचाने के लिए कोई दूसरा विकल्प तलाशने की मांग की है। सोमा घोष के मुताबिक, बिस्मिल्लाह खां का बचपन इसी मकान में बीता था। उन्होंने इसी घर में शहनाई का रियाज किया और अपनी साधना से इस वाद्ययंत्र को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। मकान का हर कमरा और दीवार उनकी संगीत यात्रा की यादें समेटे हुए है। जिस कमरे में उस्ताद रागों का अभ्यास करते थे, वह भी इसी घर का हिस्सा है। सोमा घोष ने कहा कि यह सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि भारतीय संगीत की अमूल्य धरोहर है। इसे संरक्षित करने से आने वाली पीढ़ियों को उस्ताद के जीवन और संगीत साधना से प्रेरणा मिलती रहेगी।

फिरोजाबाद में किशोरी से दरिंदगी, दो आरोपी भाइयों का हाफ एनकाउंटर

पुलिस मुठभेड़ में जगत और ऋषि के पैर में लगी गोली

तीसरे आरोपी की तलाश जारी, पीड़िता आगरा मेडिकल कॉलेज में भर्ती



यूनिक समय, फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में 16 वर्षीय किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म और उसकी हत्या की कोशिश के मामले में पुलिस ने दो सगे भाइयों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार, 2 नवंबर की तड़के खैरगढ़ थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नगला सत्तू निवासी जगत और ऋषि के रूप में हुई है। उनका तीसरा साथी अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। पुलिस के मुताबिक, शनिवार शाम 16 वर्षीय किशोरी शौच के लिए खेत की तरफ गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रविवार सुबह किशोरी गांव के पास एक सब्जी के खेत में गंभीर हालत में मिली। आरोप है कि उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की गई।

गंभीर हालत में उसे इलाज के लिए आगरा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। सोमवार तड़के घेराबंदी के दौरान खुद को पुलिस से घिरा देखकर आरोपियों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने उनके कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस, किशोरी का मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद करने का दावा किया है। पुलिस अब फरार तीसरे आरोपी की तलाश कर रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

करोड़पति कारोबारी को बंधक बनाने में छापेमारी

कानपुर के दो होटलों से पुलिस ने मांगे रिकॉर्ड

बिल्डर समेत 8 लोगों को नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब देने का दिया निर्देश

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में 140 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पने के लिए करोड़पति कारोबारी प्रणवपत सिंघानिया को करीब दो साल तक होटलों में बंधक बनाकर रखने के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस ने स्वरूप नगर स्थित होटल रॉयल क्लिफ और हर्ष नगर स्थित होटल रीजेंटा में छापेमारी कर रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज मांगे हैं। जांच में सामने आया कि आरोपियों सुयश और अनूप अस्थाना ने कारोबारी को ठहराने के लिए अपने नाम से कमरे बुक कराए थे। पुलिस ने होटल रीजेंटा के मालिक और बिल्डर आत्माराम खत्री, गौरव सेठी, अशोक मेहरा, अनूप कुमार मेहरा, संजय खत्री और जीएम अनुराग दुबे के साथ होटल रॉयल क्लिफ के मालिक हरदीप सिंह तथा जनरल मैनेजर पीयूष श्रीवास्तव को नोटिस जारी किया है।

सभी से तीन दिन में जवाब मांगा गया है। कारोबारी के मुताबिक, वर्ष 2020 में उनकी दोस्ती सुयश अस्थाना से हुई थी। आरोप है कि 2024 में सुयश ने उन्हें मोतीझील के पास बुलाया, जहां से अनूप अस्थाना और अन्य लोग उन्हें कार में ले गए। रास्ते में ड्रग्स का इंजेक्शन देकर दो महीने तक होटल रॉयल क्लिफ में बंधक रखा गया। इसके बाद होटल रीजेंटा में अलग–अलग कमरों में करीब दो साल तक कैद रखा गया। इस दौरान आरोपियों ने करोड़ों की संपत्तियों के सौदे कराए। पुलिस सीसीटीवी, आधार कार्ड, भुगतान रिकॉर्ड और अन्य सबूत जुटा रही है। मामले में तीन आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं।

राजस्थान में सड़क निर्माण के दौरान करंट से आठ मजदूरों की मौत

11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन से टकराई मशीन

तीन मजदूर घायल, मुख्यमंत्री भजनलाल ने दिए जांच के निर्देश



यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के छापोली गांव में सोमवार को सड़क निर्माण के दौरान बड़ा हादसा हो गया। यहां रोड़ी मिलाने वाली मशीन ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई। इससे मशीन में करंट फैल गया और आसपास काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए। हादसे में अब तक 8 मजदूरों की मौत हो चुकी है, जबकि 3 अन्य घायल हैं। यह दुर्घटना कदम कुंड की ओर जाने वाली सड़क पर हुई। जानकारी के मुताबिक, गांव के लोग जनसहयोग से सड़क का निर्माण करवा रहे थे। इसी काम के लिए मौके पर रोड़ी मिलाने वाली मशीन लगाई गई थी। निर्माण कार्य के दौरान मशीन का संपर्क अचानक बिजली की हाईटेंशन लाइन से हो गया। करंट फैलते ही मजदूरों को संभलने तक का मौका नहीं मिला और मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाया। झुंझुनूं के जिला कलेक्टर अरुण गर्ग के अनुसार, शुरुआत में पांच मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई थी। इसके बाद उपचार के दौरान तीन अन्य मजदूरों ने भी दम तोड़ दिया। इस तरह मृतकों की संख्या बढ़कर आठ हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद जिला कलेक्टर ने घटनास्थल के लिए रवाना होने की बात कही। क्षेत्रीय विधायक भगवानाराम सैनी ने भी हादसे पर दुख जताया और मौके पर पहुंचने की जानकारी दी। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने भी घटना को दुखद बताया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार कराने और प्रभावित परिवारों को तत्काल हरसंभव सहायता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने घटना की जांच के भी आदेश दिए। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हादसे पर दुख जताते हुए सवाल उठाया कि सड़क निर्माण के दौरान यह दुर्घटना कैसे हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा और हरसंभव मदद देने की मांग की।

पंजाब में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका दो दिन में तीन विधायकों ने छोड़ी पार्टी

हरमीत सिंह, चेतन सिंह और कुंवर विजय प्रताप बीजेपी में शामिल

केजरीवाल और भगवंत मान पर साधा निशाना



यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब की राजनीति में आम आदमी पार्टी (आम आदमी पार्टी) को बड़ा झटका लगा है। महज दो दिनों के भीतर पार्टी के तीन विधायकों ने इस्तीफा देकर बीजेपी का दामन थाम लिया है। सोमवार को तीनों विधायक दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय पहुंचे और पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बीजेपी में शामिल होने वालों में सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा, समाना से विधायक और पूर्व मंत्री चेतन सिंह जोड़ा माजरा तथा अमृतसर नॉर्थ से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह शामिल हैं। इनमें से कुंवर विजय प्रताप सिंह पूर्व आईपीएस अधिकारी भी रह चुके हैं और उन्हें पार्टी से निलंबित किया गया था। उन्होंने दो नवंबर को विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां को अपना इस्तीफा भेजा। वहीं, हरमीत सिंह और चेतन सिंह ने एक नवंबर को पार्टी छोड़ने का ऐलान किया था।

बीजेपी में शामिल होने के बाद कुंवर विजय प्रताप ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी का अस्तित्व खत्म हो चुका है और इसके लिए अरविंद केजरीवाल तथा भगवंत मान जिम्मेदार हैं।

उन्होंने राज्य में गैंगस्टरों और अपराध की बढ़ती समस्या पर भी सवाल उठाए। वहीं, हरमीत सिंह पठानमाजरा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब के मुद्दों के लिए आवाज उठाने वाले नेताओं को किनारे कर दिया और राज्य को कर्ज के बोझ में धकेल दिया है।

फ्रांस में प्रदर्शनों से मचा हड़कंप 70 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात

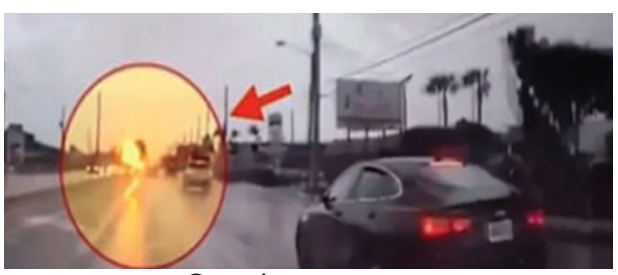


हिंसा की आशंका के चलते पेरिस में मार्च पर रोक

संवेदनशील इलाकों में भी आवाजाही प्रतिबंधित

यूनिक समय, नई दिल्ली। फ्रांस में लगातार तीसरे सप्ताहांत होने वाले विरोध-प्रदर्शनों को देखते हुए सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। बढ़ती महंगाई और शिक्षण संस्थानों की फंडिंग को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के बीच देशभर में करीब 70 हजार पुलिसकर्मियों और सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। हैलोवीन के मौके पर हिंसा और अशांति की आशंका को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। राजधानी पेरिस में प्रदर्शनकारियों के मार्च का रास्ता बदलकर शहर के बाहरी इलाके में निर्धारित किया गया है। पुलिस ने शहर के केंद्र से गुजरने वाले यूनियनों और 'येलो वेस्ट' प्रदर्शनकारियों के मार्च पर रोक लगा दी है। अब उन्हें पोर्ट डी बैग्नोलेट से पोर्ट डी चैरेंटन तक ही मार्च करने की अनुमति होगी। गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने चेतावनी दी है कि खासकर रात में अशांति फैलने का खतरा अधिक है। पुलिस ने प्लेस डे ला रिपब्लिक और लेस हालेस जैसे संवेदनशील इलाकों में भी रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है। वहीं, जर्मनी और स्पेन में भी युवा संगठनों ने प्रदर्शन की तैयारी की है। ऐसे में पूरे यूरोप में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं।

फ्लोरिडा में आसमान से गिरा प्राइवेट जेट, आग के गोले में बदला विमान



बहामास जा रहा लियरजेट 60 रिहायशी इलाके में हुआ क्रैश

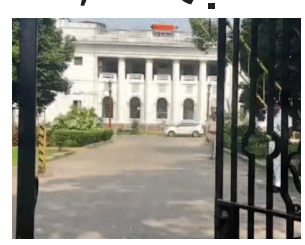
पायलट समेत सभी नौ लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के फ्लोरिडा में रविवार को भीषण विमान हादसा हो गया। बहामास जा रहा एक प्राइवेट जेट रिहायशी इलाके में सड़क के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट समेत विमान में सवार सभी नौ लोगों की मौत हो गई। विमान क्रैश होते ही उसमें भीषण आग लग गई और वह आग के गोले में तब्दील हो गया। जानकारी के मुताबिक, लियरजेट 60 बिजनेस जेट ने टेक्सास के ऑस्टिन-बर्गस्ट्रॉम इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान विमान अचानक तेजी से नीचे गिरने लगा और दक्षिण फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी में मिलिट्री ट्रेल और दसवीं एवेन्यू नॉर्थ के पास सड़क पर जा टकराया। टक्कर के बाद जोरदार धमाका हुआ और घटनास्थल से काले धुएं का गुबार उठने लगा। हादसे का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें विमान को आसमान से गिरते और टकराने के बाद आग की लपटों में घिरते देखा जा सकता है। गनीमत रही कि विमान किसी मकान पर नहीं गिरा। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने सभी नौ लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) की टीम राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) की जांच में सहयोग करेगी। फिलहाल हादसे की वजह स्पष्ट नहीं है। दुर्घटना के बाद सुरक्षा के मद्देनजर आसपास की सड़कें बंद कर दी गईं और इलाके में करीब दो घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

बंगाल विधानसभा के वॉशरूम में मिला कैंटीन कर्मचारी का शव, मचा हड़कंप

15 साल से कर रहे थे नौकरी, शरीर पर नहीं मिले चोट के निशान

पुलिस की होमिसाइड टीम और डॉग स्क्वॉड ने की जांच



यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा परिसर में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब कैंटीन के वॉशरूम में 46 वर्षीय कर्मचारी उमेश चंद्र दास का शव मिला। उमेश पिछले 15 साल से विधानसभा की कैंटीन में काम कर रहे थे और परिसर में ही रहते थे। जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब 9 से 10 बजे के बीच ड्यूटी पर पहुंचे एक कर्मचारी ने उन्हें कमरे में तलाश किया। वहां नहीं मिलने पर उसने वॉशरूम का दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद खिड़की से झांककर देखा तो उमेश फर्श पर पड़े हुए थे। कर्मचारियों ने दरवाजे की कुंडी तोड़कर उन्हें बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर कोलकाता पुलिस के अधिकारी, डिटेक्टिव डिपार्टमेंट की होमिसाइड टीम और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक, उमेश के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं और घटनास्थल पर संघर्ष के भी कोई संकेत नहीं मिले। परिवार की ओर से अब तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस ने इनक्वेस्ट की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

दिल्ली में विंटर एक्शन प्लान के पहले दिन 68.4 लाख का जुर्माना

1,500 से ज्यादा गाड़ियां बॉर्डर से लौटाईं, 14,930 वाहनों की हुई जांच

300 निर्माण स्थलों में से 32 पर मिली गड़बड़ी



यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए 1 नवंबर से विंटर एक्शन प्लान लागू कर दिया गया है। इसके पहले ही दिन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 68.4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। रविवार शाम 5 बजे तक 14,930 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से 1,539 गाड़ियों को दिल्ली बॉर्डर से वापस भेज दिया गया। वहीं, 62 वाहन जब्त किए गए और नियमों के उल्लंघन पर 127 चालान काटकर 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा वैध प्रदूषण जांच प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) नहीं होने पर 566 वाहनों के चालान काटे गए, जिनसे 56.6 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी कार्रवाई हुई।

प्रशासन ने 300 कंस्ट्रक्शन साइट्स का निरीक्षण किया, जिनमें 32 जगहों पर गड़बड़ी मिली। इन पर 9.8 लाख रुपये का पर्यावरण मुआवजा लगाया गया। साथ ही 17 बंदी आदेश और 19 नोटिस जारी किए गए। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने 493 चालान काटकर 49.3 लाख रुपये और परिवहन विभाग ने 73 चालान काटकर 7.3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। नए नियमों के तहत दिल्ली में बाहर से आने वाले इर-इक से कम मानक वाले वाहनों की एंट्री पर 31 जनवरी तक रोक रहेगी। वहीं, 10 दिसंबर से 20 जनवरी तक निर्माण और तोड़फोड़ के काम बंद रहेंगे। 28 फरवरी तक अधिकृत पार्किंग में शुल्क दोगुना रहेगा। सरकारी और निजी कार्यालयों में 31 जनवरी तक अधिकतम 50 प्रतिशत कर्मचारी ही दफ्तर आएंगे, जबकि बाकी घर से काम करेंगे। पर्यावरण मंत्री मंजींदर सिंह सिरसा ने लोगों से पीयूसीसी बनवाने और प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का पालन करने की अपील की है।

बांग्लादेश में वेतन बढ़ाने की मांग पर सड़कों पर उतरे मजदूर, तीन जगह हिंसा

पुलिस पर पथराव, गाड़ी और चौकी में लगाई आग

30 से ज्यादा फैक्ट्रियां बंद, सरकार ने बनाया वेतन बोर्ड



यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश में कपड़ा फैक्ट्रियों के मजदूरों का वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन हिंसक हो गया। रविवार को राजधानी ढाका समेत तीन इलाकों में मजदूरों ने सड़कें जाम कर दी और पुलिस पर पथराव किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस गाड़ी और पुलिस चौकी में आग लगा दी। ढाका के मीरपुर इलाके में मजदूरों ने सड़क जाम कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। तनाव के कारण मीरपुर-10 मेट्रो स्टेशन का गेट भी बंद करना पड़ा। वहीं, गाजीपुर के कोनाबाड़ी इलाके में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस चौकी में आग लगा दी। स्थिति नियंत्रित करने के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के पांच प्लाटून तैनात करने का ऐलान किया गया। अशुलिया के औद्योगिक क्षेत्र में भी प्रदर्शन के चलते कम से कम 30 फैक्ट्रियां बंद रहीं। मजदूरों की मांग है कि उनका न्यूनतम मासिक वेतन करीब 9,600 रुपये से बढ़ाकर 23 हजार रुपये किया जाए। उनका कहना है कि महंगाई और बढ़ते किराये के कारण मौजूदा वेतन में परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। इस बीच सरकार ने नई न्यूनतम सैलरी तय करने के लिए छह सदस्यीय वेतन बोर्ड बनाया है। इसमें फैक्ट्री मालिकों, मजदूर संगठनों और एक स्वतंत्र प्रतिनिधि को शामिल किया गया है। सरकार ने मजदूरों से प्रदर्शन खत्म कर काम पर लौटने की अपील की है।

पौने दो सौ साल पुरानी धरोहर को मिलेगा सात किलो सोने का कवच

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी की नगरी अपनी प्राचीन धार्मिक धरोहरों और ऐतिहासिक मंदिरों के लिए विश्वभर में पहचान रखती है। इन्हीं में श्री रामानुज संप्रदाय का प्रमुख दिव्यदेश रंगनाथ मंदिर अपनी अनूठी स्थापत्य कला के लिए विशेष महत्व रखता है। करीब पौने दो सौ साल पुराने इस मंदिर को ब्रजवासी सोने के खंभे वाले मंदिर के नाम से भी जानते हैं। अब मंदिर के करीब 50 फीट ऊंचे गरुण स्तंभ का सात किलो सोने से स्वर्ण मंडन कराया जाएगा। इसके लिए धार्मिक अनुष्ठान पूरे कर लिए गए हैं।



रंगनाथ मंदिर में स्थापित गरुण स्तंभ का काम शुरू होने से पहले अनुष्ठान करते आचार्य आदि।

सोने के खंभे वाले मंदिर की ऐतिहासिक धरोहर का होगा पुनरोद्धार

दक्षिण भारत के दस कारीगर दो माह से अधिक समय तक करेंगे काम

दक्षिण भारतीय द्रविड़ स्थापत्य शैली में निर्मित इस मंदिर का निर्माण वर्ष 1845 के आसपास शुरू हुआ था और 1851 में पूरा हुआ। मथुरा के सेठ परिवार के सहयोग और आचार्य स्वामी रंगदेशिक के मार्गदर्शन में बने इस मंदिर का गरुण स्तंभ प्रमुख आकर्षण है। मुख्य गर्भगृह के सामने स्थापित यह स्तंभ शाल और सागवान की लकड़ी से निर्मित है, जिस पर सोने का बाहरी आवरण चढ़ा हुआ है। खुले स्थान पर होने के कारण मौसम की मार से समय के साथ इसका स्वर्ण आवरण क्षरित होने लगा था। मंदिर के महंत गोवर्धन पीठाधीश्वर बालक स्वामी की इच्छानुसार अब गरुण स्तंभ के पुनरोद्धार का संकल्प लिया गया है। श्री रामानुज संप्रदाय की वैदिक परंपराओं के अनुरूप दक्षिण भारतीय विद्वानों के सान्निध्य में तीन दिवसीय बालालय अनुष्ठान संपन्न कराया गया। इसमें अंकुरारोपण, देव आह्वान, गरुण शांति, सुदर्शन हवन और पूर्णाहुति सहित विभिन्न धार्मिक क्रियाएं संपन्न हुईं। मंदिर की सीईओ अनघा श्रीनिवासन ने बताया कि गरुण स्तंभ पर करीब सात किलो सोने का आवरण चढ़ाया जाएगा। दक्षिण भारत से आए लक्ष्मी नरसिम्हन के नेतृत्व में दस अनुभवी कारीगर इस कार्य को अंजाम देंगे। सबसे पहले स्तंभ की लकड़ी की स्थिति की जांच की जाएगी। इसके बाद पारंपरिक विधि से स्वर्ण आवरण चढ़ाने का काम होगा। होली के बाद आयोजित होने वाले मंदिर के ब्रह्मोत्सव तक कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

ब्रजरज उत्सव में प्रियांशी-गौरांशी के भजनों ने बांधा समां



यूनिक समय, मथुरा। ब्रजरज उत्सव के समापन अवसर पर ब्रज की स्थानीय प्रतिभाओं ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। उत्सव के अंतिम दिन श्री राधारानी अलबेली सरकार मंदिर, मथुरा के बच्चों की ओर से भजन संध्या आयोजित की गई। इसमें ब्रज की होनहार कलाकार प्रियांशी शर्मा और गौरांशी शर्मा ने मधुर स्वर में भक्ति भजनों की प्रस्तुति दे

ब्रज की बेटियों की प्रस्तुतियों से भक्तिमय हुआ माहौल, तालियों से गूंजा पंडाल

कर समां बांध दिया। दोनों कलाकारों के भजनों पर पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उनकी प्रस्तुतियों में ब्रज की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाई दी। समापन पर उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से सभी कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

दुकानदारों और शिल्पकारों की मांग पर पांच नवंबर तक बढ़ा ब्रजरज उत्सव

यूनिक समय, मथुरा। ब्रजरज उत्सव की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की अंतिम बेला में सोमवार को बैक स्टेज सिविलिंग की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। कलाकारों ने संगीत और मंचीय कला के संगम से दर्शकों को बांधे रखा। प्रस्तुति के दौरान दर्शकों ने तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। उधर, धनतेरस और दीपावली पर दुकानदारों एवं शिल्पकारों की मांग को देखते हुए उत्सव की प्रदर्शनी और बाजार की अवधि तीन दिन बढ़ा दी गई है। परिषद के डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र ने बताया कि धौली प्याऊ स्थित रेलवे ग्राउंड में लगे ब्रजरज उत्सव के प्रदर्शनी, फूड कोर्ट, हस्तशिल्प और उत्पादों के स्टॉल अब पांच नवंबर तक संचालित होंगे। दुकानदारों और शिल्पकारों ने त्योहारों के मद्देनजर मेला अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया था। स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

योगेंद्र ट्रेजरी वालों को मिला वैश्य मित्र रजत पदक अवॉर्ड



योगेन्द्र ट्रेजरी को वैश्य मित्र रजत पदक अवॉर्ड से सम्मानित करते भाजपा के वरिष्ठ नेता श्याम जाजू और अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अशोक अग्रवाल आदि।

दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के समारोह में किया सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य योगेंद्र ट्रेजरी वालों को वैश्य समाज के प्रति योगदान के लिए वैश्य मित्र रजत पदक अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। दिल्ली के रोहिणी स्थित एक होटल में आयोजित महासम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यसमिति, साधारण आमसभा और सम्मान समारोह में उन्हें उत्तर प्रदेश से इस सम्मान के लिए चयनित एकमात्र व्यक्ति के रूप में रजत पदक, प्रशस्ति पत्र और पटका पहनाकर सम्मानित किया गया।

समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल अति विशिष्ट अतिथि, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्याम जाजू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। योगेंद्र ट्रेजरी वालों को श्याम जाजू और अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल ने सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना से हुआ। महासम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल ने कहा कि समारोह में शिक्षा, उद्योग, चिकित्सा, सामाजिक सेवा और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता, विपिन राम अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजीव मित्तल, महिला कार्यकारी अध्यक्ष मिथलेश अग्रवाल, मीरा मित्तल और विनीता अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। अध्यक्षता डॉ. अशोक अग्रवाल ने, संचालन राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. अजय गुप्ता ने किया।

ग्रामीण महिलाओं को साइबर फ्रॉड से बचाव के उपाय बताए

यूनिक समय, मथुरा। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच भारतीय स्टेट बैंक की ओर से ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत सोमवार को बलदेव क्षेत्र के दौलतपुर गांव में आयोजित कार्यक्रम में एसबीआई के सतर्कता विभाग की उपमहाप्रबंधक सीमा दीक्षित ने महिलाओं को साइबर फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट से बचने के तरीके बताए। सीमा दीक्षित ने ग्रामीणों से बचत खाते खुलवाने और खेती के लिए ट्रैक्टर ऋण की सुविधा का लाभ लेने का आग्रह किया। एसबीआई दिल्ली के मुख्य प्रबंधक किशोर कुमार अग्रवाल ने आधार कार्ड किसी अन्य व्यक्ति को खाता खुलवाने के लिए न देने तथा बैंक या नजदीकी ग्राहक सेवा केंद्र पर स्वयं जाकर लेनदेन करने की सलाह दी। महिलाओं को बैंक खाते में नॉमिनी दर्ज कराने का महत्व भी समझाया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सदस्य ओमवीर भगत, ग्राम प्रधान की पत्नी जनेश, बलदेव शाखा प्रबंधक तेजवीर सिंह और उप प्रबंधक तुलसीदास गुप्ता मौजूद रहे। तुलसीदास गुप्ता ने आभार जताया।

400 परिवारों तक पहुंचाया मतदाता जागरूकता का संदेश



मतदाताओं तक जागरूकता का संदेश देने वाली टीम।

यूनिक समय, मथुरा। लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता जागरूकता बढ़ाने को सोनई के विद्यार्थियों ने घर-घर दस्तक दी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) के तत्वावधान में करीब 400 परिवारों का सर्वेक्षण कर मतदान के प्रति जागरूकता की स्थिति जानी। इस दौरान लोगों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने और मतदान के महत्व की जानकारी भी दी गई।

जिला कोऑर्डिनेटर ईएलसी डॉ. अखिलेश यादव के निर्देशन और क्लब प्रभारी डॉ. प्रियंका सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने परिवारों से संवाद किया। उन्होंने 18 वर्ष या उससे

सोनई में विद्यार्थियों ने घर-घर किया सर्वे, मतदाता सूची और पंजीकरण की ली जानकारी

अधिक आयु के सदस्यों, मतदाता सूची में नाम, नए मतदाता पंजीकरण, फॉर्म-6, मतदान केंद्र की जानकारी और मतदान के प्रति जागरूकता से जुड़े सवाल पूछे।

सर्वेक्षण में कैंपस एंबेसडर प्रियांशु और मनु सहित विद्यार्थियों ने भाग लिया। ग्रुप लीडर पवन कुमार के नेतृत्व में टीम ने सर्वेक्षण पूरा कर प्राप्त जानकारियां संकलित कीं। अभियान में कृष्ण, कान्हा, शिवम, नवाजिश खान, रेहान खान, नमन, जुनैद, मोहित और समीर का सहयोग रहा।

युवा संवाद में छात्राओं ने जानी मतदान की अहमियत



सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। आरसीए बालिका पीजी कॉलेज में सोमवार को मेरा युवा भारत और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 'विकसित भारत युवा संवाद' आयोजित किया गया। शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से हुआ।

मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा ने छात्राओं को निर्वाचन प्रक्रिया, मतदान के महत्व और मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की जानकारी दी। उन्होंने पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को फॉर्म-6 भरने की प्रक्रिया समझाई। संवाद में छात्राओं ने 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' में मतदाताओं की भूमिका और जनप्रतिनिधि चुनने के आधारों

पहली बार वोट डालने वालों को फॉर्म-6 भरने की दी जानकारी

पर सवाल पूछे।

यूथ आइकन दुर्गेश त्रिपाठी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और लोकतंत्र में नागरिकों की भूमिका पर विचार रखे। वेदप्रकाश पांडेय, ज्ञानेश सिंह राणा और पं. यज्ञदत्त कौशिक ने भी मतदान के प्रति जागरूक किया। अंत में छात्राओं को 'नो योर वोट' की शपथ दिलाई गई। प्राचार्य प्रो. अंजुबाला अग्रवाल ने आभार जताया। संचालन अंजलि ने किया।

रिफाइनरी में 801 इंजीनियर रेजिमेंट ने किया तकनीकी अभ्यास



मथुरा रिफाइनरी में तकनीकी अभ्यास के दौरान जानकारी प्राप्त करते 801 इंजीनियर रेजिमेंट के जवान।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा रिफाइनरी में सोमवार को 801 इंजीनियर रेजिमेंट (आरएंडपी), आगरा फोर्ट की टीम के लिए एक दिवसीय तकनीकी अभ्यास एवं परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण वर्ष 2026-27 के तहत एटीसी-द्वितीय में हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य सेना के जवानों को रिफाइनरी की कार्यप्रणाली, सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की व्यावहारिक जानकारी देना रहा।

अभ्यास का समन्वय लेफ्टिनेंट कर्नल याद राम बघेल और कैप्टन मनीष रोहित ने रेजिमेंट के प्रशिक्षण अधिकारी के साथ किया। रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर के मार्गदर्शन में

सुरक्षा तंत्र, परिचालन व्यवस्था और आपातकालीन तैयारियों की दी जानकारी

कार्यक्रम रिफाइनरी के प्रशिक्षण केंद्र में संपन्न हुआ। रिफाइनरी प्रबंधन ने टीम की सक्रिय सहभागिता और प्रशिक्षण के प्रति उत्साह की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे संयुक्त अभ्यास संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल बनाने और राष्ट्रीय ऊर्जा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा-आपातकालीन तैयारियों को मजबूत करने में सहायक हैं।